आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 26 | अंक - 148 | उज्जैन, शनिवार 20 अप्रैल 2024 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन ने सेक्टर ऑफिसर्स एवं बीएलओ से चर्चा कर मतदान की जानकारी ली

भोपाल। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने शुक्रवार को प्रदेश के छह लोकसभा संसदीय क्षेत्रों में हुए मतदान के दौरान सेक्टर ऑफिसर्स एवं बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ) से मोबाइल पर चर्चा कर मतदान सहित अन्य जानकारियां ली।

श्री राजन ने लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्र.-11 सीधी के अंतर्गत जयसिंह नगर (अजजा) विधानसभा क्षेत्र के दियापीपर सेक्टर के सेक्टर ऑफिसर श्री ध्रुव कुमार अहिरवार, संसदीय क्षेत्र क्र.-13 जबलपुर के बरगी विधानसभा क्षेत्र के बरगी सेक्टर के सेक्टर ऑफिसर श्री मनोज बरेहिया, संसदीय क्षेत्र क्र.-14 मंडला (अजजा) के अधीन डिण्डोरी जिले के शाहपुर (अजजा) विधानसभा क्षेत्र के सेक्टर ऑफिसर श्री अनिल कुमार डेहरिया व इसी लोकसभा क्षेत्र के बिछिया (अजजा) विधानसभा क्षेत्र के बिछिया सेक्टर के सेक्टर ऑफिसर श्री एन.एल. शरणागत तथा संसदीय क्षेत्र क्र.-16 छिंदवाड़ा की अमरवाड़ा (अजजा) विधानसभा क्षेत्र के सेक्टर ऑफिसर श्री अरविन्द तिवारी से चर्चा कर मतदान दलों एवं मतदान सहित अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

श्री राजन ने लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्र.-11 सीधी के अंतर्गत सीधी जिले की चुरहट विधानसभा क्षेत्र के मतदान केन्द्र क्र.-103 और इसी लोकसभा क्षेत्र के अधीन सिंगरौली जिले की चितरंगी विधानसभा क्षेत्र के मतदान केन्द्र क्र.-152 के बूथ लेवल ऑफिसर से चर्चा कर मतदाता सूची व मतदान के बारे में जानकारी ली।

दिल्ली आबकारी घोटाले में बोइनपल्ली को मिली राहत, सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम जमानत अवधि आठ मई तक बढ़ाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपित कारोबारी अभिषेक बोइनपल्ली को दी गई अंतरिम जमानत की अवधि गुरुवार को आठ मई तक बढ़ा दी।

मुख्य याचिका पर कब होगी सुनवाई- जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने हैदराबाद के कारोबारी बोइनपल्ली की तरफ से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल के अनुरोध पर राहत बढ़ाई। सिब्बल ने कहा कि उनके मुवक्किल को प्रदान की गई पांच सप्ताह की अंतरिम जमानत समाप्त हो रही है, जबकि प्रवर्तन निदेशालय द्वारा गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली उनकी मुख्य याचिका पर मई में सुनवाई होगी।

पांच सप्ताह की मिली थी अंतरिम जमानत - शीर्ष कोर्ट ने बोइनपल्ली को विभिन्न बीमारियों से जूझ रहीं उनकी पत्नी की हालत के कारण 20 मार्च को पांच सप्ताह की अंतरिम जमानत दी थी। शीर्ष कोर्ट ने राहत प्रदान करते हुए कहा था कि कारोबारी 18 महीने से हिरासत में है। अदालत ने बोइनपल्ली से अपना पासपोर्ट सौंपने को कहा था और निर्देश दिया था कि वह अपने गृहनगर हैदराबाद की यात्रा के अलावा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से अन्यत्र कहीं नहीं जाएंगे।

सलमान खान के घर गोलीबारी केस में बड़ा मोड़, लॉरेंस बिश्नोई से पूछताछ की तैयारी में मुंबई पुलिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई ने बॉलीवुड एक्टर सलमान खान के घर के बाहर गोलीबारी की जिम्मेदारी ली। उसने फेसबुक पर एक पोस्ट के जरिए खुद यह बात स्वीकार की। मालूम हो कि अनमोल बिश्नोई राष्ट्रीय जांच एजेंसी की ओर से आतंकवादी-गैंगस्टर लिंक मामलों में वांटेड है। जांच एजेंसी ने विदेश से जबरन वसूली गतिविधियों को अंजाम देने को लेकर भी उसे नामित किया है। इस बीच, अधिकारियों का कहना है कि लॉरेंस बिश्नोई जेल में रहने के बावजूद आपराधिक गतिविधियों में शामिल है। यह जानना भी दिलचस्प है कि उसने बेल के लिए कभी गुहार नहीं लगाई है। अब मुंबई पुलिस सलमान खान के घर पर गोलीबारी को लेकर उससे पूछताछ करने की तैयारी में है।

एनआईए और कई राज्यों की पुलिस अब तक जबरन वसूली और टारगेटेड किलिंग को लेकर लॉरेंस बिश्नोई से पूछताछ कर चुकी है। एजेंसी ने उसके और दाऊद इब्राहिम के बीच तुलना की और इसे चार्जशीट में दर्ज किया गया। जांच एजेंसी के अनुसार, दाऊद इब्राहिम की तरह लॉरेंस भी कुख्यात गैंगस्टर बन गया।

बंगाल के कूचबिहार में वोटिंग के वक्त हिंसा, कार्यकर्ताओं में झड़प और पथराव; बूथ एजेंट पर भी हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनाव के पहले दिन कूचबिहार में हिंसा देखने को मिली। यहां मतदान शुरू होने के तुरंत बाद सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच झड़प की खबरें आने लगीं। शहर के पास चांदमारी गांव में दोनों दलों के कार्यकर्ताओं और समर्थकों के बीच झड़प हो गई। पथराव की भी खबरें सामने आई हैं। बताया जा रहा है कि इस दौरान एक व्यक्ति घायल हो गया। दिनहाटा ब्लॉक के भेटागुड़ी में हिंसा हुई है। झरूब का आरोप है कि यहां देसी बम फेंके गए जिससे उनके ब्लॉक अध्यक्ष अनंत बर्मन घायल हो गए। वह अस्पताल में भर्ती हैं।

टीएमसी और भाजपा दोनों पार्टियों ने एक-दूसरे पर मतदाताओं को डराने-धमकाने का आरोप लगाया। ऐसा कहा गया कि वोटर्स को मतदान केंद्रों तक पहुंचने से रोका गया और बूथ एजेंटों पर हमले करने के भी आरोप लगे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, कूचबिहार के तूफानगंज और जलपाईगुड़ी के डाबग्राम-फुलबाड़ी जैसे कुछ इलाकों में राजनीतिक दलों के अस्थायी चुनाव कार्यालयों में आग लगा दी गई। मालूम हो कि जिले के 2043 मतदान केंद्रों में से करीब 196 संवेदनशील की लिस्ट में आते हैं। कूचबिहार में पहले भी कई बार चुनावी हिंसा हो चुकी है। 10 अप्रैल, 2021 को विधानसभा चुनाव को लेकर जिले में मतदान हो रहा था। इस दौरान यहां मतदाताओं सहित 5 लोगों की हत्या कर दी गई थी।

पत्नी की ख्वाहिश पूरी करने के लिए बेरोजगार पति बन गया शातिर चोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो दर्जन से अधिक सरकारी क्वॉर्टर में ताला तोड़कर चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले बदमाश को जब प्रेमनगर पुलिस व स्वॉट टीम ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया तो उसने कई चौंकाने वाली बातें बताईं। बेरोजगारी से जूझ रहे इस बदमाश से जब उसकी पत्नी ने ज्वैलरी माँगी तो वह पैसों की कमी के चलते उसे नहीं दिला सका। पैसों की कमी दूर करने के लिए घर से दूर जाकर चोरी करने का निर्णय लिया। चोरी के रुपयों से उसने 20 हजार का बेड खरीदा और पत्नी को भी लगभग ढाई लाख रुपए के जेवर दिलाए। इससे पत्नी खुश हो गई। हालाँकि परिवार वालों को उसके काम की भनक कभी नहीं हुई।

10 लाख से अधिक के जेवर हुए बरामद- प्रेमनगर, सीपरी बाजार व रक्सा थाना क्षेत्र के दो दर्जन से अधिक ऐसे मकानों में चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले शातिर बदमाश सेंवढ़ा चुंगी (दतिया) निवासी राजकुमार उर्फ सन्तोष प्रजापति को गुरुवार की रात एनकाउण्टर के दौरान पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से 10 लाख रुपए से अधिक कीमत के सोने-चाँदी के जेवर व 25 हजार रुपए नकद बरामद किए गए थे। साथ ही एक तमंचा, एक जिन्दा व दो खोखा कारतूस पुलिस ने बरामद किए थे। वह पिट्ठू बैग में चोरी के जेवर रखकर उन्हें बेचने निकला था। इसी दौरान उसका पुलिस से आमना-सामना हो गया। उसे मेडिकल कॉलिज में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है।

आईआईटी कानपुर और बीएचयू को मिले नए निदेशक

नई दिल्ली (एजेंसी)। छह भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों को गुरुवार को नए निदेशक मिल गए। मणींद्र अग्रवाल को आईआईटी कानपुर और अमित पात्रा को आईआईटी बीएचयू का निदेशक नियुक्त किया गया है। मणींद्र आईआईटी कानपुर के कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग में प्रोफेसर हैं। शिक्षा मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि आईआईटी कानपुर के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर अविनाश कुमार अग्रवाल को आईआईटी जोधपुर का निदेशक नियुक्त किया गया है। सुकुमार मिश्रा आईआईटी धनबाद के निदेशक सुकुमार मिश्रा को आईआईटी धनबाद का निदेशक नियुक्त किया गया है।

चीन के इस पड़ोसी को भा गई थी अपनी ब्रह्मोस मिसाइल, भारत ने पहुंचाई पहली खेप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की सैन्य शक्तियों से प्रभावित होकर फिलीपींस ने ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल खरीदने की इच्छा जताई थी। अब भारत की तरफ से ब्रह्मोस मिसाइल की पहली खेप फिलीपींस को सौंप दी गई है। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, दक्षिण पूर्व एशियाई देश फिलीपींस के साथ इस हथियार प्रणाली की आपूर्ति के लिए 37.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर का करार होने के दो साल के बाद आपूर्ति होने जा रही है। एएनआई द्वारा ट्वीट की गई तस्वीरों की मानें तो भारतीय वायुसेना के एक सैन्य परिवहन विमान को मिसाइल और लांचरों को लेकर फिलीपीन की नौसेना को सौंपने के लिए रवाना किया गया है। भारत ने जनवरी 2022 में मिसाइल की तीन बैटरी की आपूर्ति के लिए फिलीपीन के साथ करार किया था। फिलीपींस पहला देश है जिसे भारत अत्याधुनिक ब्रह्मोस मिसाइल की आपूर्ति की है।

यह डील जनवरी 2022 में हुई थी। इस डील के साथ भारत ने रक्षा क्षेत्र में खुद को एक बड़े निर्यातक के तौर पर पेश किया है। यह भारत और रूस द्वारा विकसित ब्रह्मोस मिसाइल का पहला निर्यात ऑर्डर है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रह्मोस मिसाइलें भले ही शुक्रवार को फिलीपींस पहुंच जाएगी, लेकिन इसका पूरा सिस्टम अगले सप्ताह तक एक्टिव हो सकता है।

भारत ने 2024-25 तक 35,000 करोड़ रुपये का रक्षा निर्यात लक्ष्य रखा है। रक्षा मंत्रालय ने 1 अप्रैल को कहा था कि भारत का रक्षा निर्यात पिछले वित्त वर्ष में 32.5त बढ़ा है और पहली बार 21,000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर गया। भारत अब अपनी सेना को अत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ सैन्य निर्यात को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। भारत वर्तमान में लगभग 85 देशों को सैन्य हार्डवेयर निर्यात कर रहा है, जिसमें लगभग 100 स्थानीय कंपनियां शामिल हैं। इसमें मिसाइलें, तोपें, रॉकेट, बख्तरबंद वाहन, अपतटीय गश्ती जहाज, व्यक्तिगत सुरक्षा गियर, विभिन्न प्रकार के रडार, निगरानी प्रणाली और गोला-बारूद शामिल हैं।

फिलीपींस ऐसे समय में मिसाइल सिस्टम की डिलीवरी ले रहा है जब दक्षिण चीन सागर में लगातार झड़पों के कारण उसके और चीन के बीच तनाव बढ़ रहा है।

यूक्रेन ने दिया रूस को जोर का झटका, पहली बार मिसाइलों को लॉन्च करने वाला बमवर्षक मार गिराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस के साथ जारी युद्ध के बीच यूक्रेन ने बड़ा दावा किया है। यूक्रेन का कहना है कि उसने रूस का मिसाइलों को लॉन्च करने वाला बमवर्षक विमान मार गिराया है। ये पहली बार है जब यूक्रेन ने इस तरह का दावा किया है। यूक्रेन ने अपने क्षेत्र में क्रूज मिसाइलों को लॉन्च करने के लिए इस्तेमाल किए गए एक लंबी दूरी के रूसी बमवर्षक को मार गिराने का दावा किया है।

यूक्रेन की सेना ने एक बयान में कहा, पहली बार, वायु सेना की विमान-रोधी मिसाइल युनिटों ने यूक्रेन की रक्षा खुफिया के सहयोग से एक टीयू-22एम3 लंबी दूरी के रणनीतिक बमवर्षक को तबाह कर दिया। यूक्रेनी रक्षा मंत्रालय के आधिकारिक हैंडल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, यूक्रेनी वायु सेना ने दुश्मन के टीयू-22एम3 रणनीतिक बमवर्षक को मार गिराया है। इसका इस्तेमाल रूस ने यूक्रेनी शहरों पर हमला करने के लिए किया था। इसके अलावा, हमारे योद्धाओं ने एक और बड़े हवाई हमले को विफल कर दिया और 29 हवाई लक्ष्यों को मार गिराया। इनमें 2 Kh-101/Kh-555 क्रूज मिसाइलें; 14 शाहेद यूएवी; 11 Kh-59/Kh-69 गाइडेड एयर मिसाइलें और 2 Kh-22 क्रूज मिसाइलें शामिल हैं। वहीं रूस का कहना है कि उसका टीयू-22एम3 रणनीतिक बमवर्षक विमान स्टावरोपोल क्षेत्र के क्रास्नोग्वर्डेस्की जिले में दुर्घटनाग्रस्त हो गया है जिसमें चालक दल के एक सदस्य की मौत हो गई है। क्षेत्रीय गवर्नर व्लादिमीर व्लादिमीरोव ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी। व्लादिमीरोव सोशल मीडिया पर कहा, घटना पर नई जानकारी मिली है।

हम भारत जैसे देशों के साथ ऐसा नहीं करते, चुनावी निगरानी पर अमेरिका की दो टूक

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में पाकिस्तान में हुए आम चुनावों को लेकर अमेरिका सहित कई यूरोपीय देशों ने सवाल उठाए थे। अमेरिका ने जांच कराने की बात तक कही थी। अब भारत में भी आम चुनाव हो रहे हैं। ऐसे में क्या अमेरिका भारत में चुनावी निगरानी करेगा? इस सवाल को लेकर अमेरिका ने दो टूक जवाब दिया। उसने कहा है कि वह भारत जैसे लोकतांत्रिक देशों के साथ ऐसा नहीं करता है।

इसके साथ ही अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने भारत में जारी लोकसभा चुनावों के बीच कहा कि वह वहां कोई चुनाव पर्यवेक्षक नहीं भेज रहा है, लेकिन वह भारत में साझेदारों के साथ अपने सहयोग को गहरा और मजबूत करने के लिए उत्सुक है। विदेश मंत्रालय के उपप्रवक्ता वेदांत पटेल ने बृहस्पतिवार को अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''मुझे अमेरिका द्वारा कोई पर्यवेक्षक भेजे जाने की जानकारी नहीं है। हम भारत जैसे उन्नत लोकतांत्रिक देशों में चुनावों के मामले में आम तौर पर ऐसा नहीं करते हैं।''

अधिकारी ने कहा, ''हम भारत में अपने साझेदारों के साथ अपने सहयोग को गहरा और मजबूत करने के लिए निश्चित रूप से उत्सुक हैं।'' भारत में लोकसभा चुनाव के पहले चरण के तहत शुक्रवार को देश की 102 सीट पर मतदान हो रहा है।

उन्होंने एक सवाल के जवाब में रूस-यूक्रेन संघर्ष या गाजा में जारी युद्ध के मद्देनजर शांति स्थापित करने में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत विश्व के नेताओं द्वारा भूमिका निभाने के विचार का स्वागत किया।

रॉकेट यहां दागें; ईरान और इजरायल की जंग के बीच एलन मस्क का बड़ा संदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान पर इजरायल ने आज सुबह ही जोरदार हमला बोला है। इजरायली मिसाइलों ने ईरान के कई शहरों को टारगेट किया है। इस बीच दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। एलन मस्क ने ट्वीट कर दोनों देशों से शांति की अपील की है। उन्होंने अपने ही अंदाज में ट्वीट करते हुए लिखा, हमें एक दूसरे पर रॉकेट दागने के अलावा इन्हें सितारों पर भेजना चाहिए। उनका यह ट्वीट शुक्रवार को इजरायल की ओर से ईरान पर किए गए हमले के ठीक बाद आया है।

दुबई में घर पानी में डूबे हैं, सिर पर नहीं बची छत; इस्लामिक देश में लाखों में पहुंचा होटल का किराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में इस सप्ताह रिकॉर्ड तोड़ बारिश के कारण दुबई में लोगों के घरों में पानी घुस गया है। लोगों को अपने घरों में रहने में परेशानी हो रही है। ऐसे में क्या स्थानीय और क्या पर्यटक, सभी होटलों में शरण लेने के लिए पहुंच रहे हैं। मगर इस्लामिक देश यूएई में बाढ़ की स्थिति के कारण होटलों के एक दिन का किराया आसमान छू रहा है। खलीज टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, होटलों में एक दिन का किराया 1 हजार दिरहम से 8 हजार दिरहम के बीच वसूला जा रहा है। यानी भारतीय रुपये के लिहाज से एक दिन के लिए होटल का किराया 22 हजार से लगभग दो खाल रुपये हो गया गया है।

हालांकि, शहर भर में बचाव और सफाई के प्रयास जारी रहे है। फिर भी बाढ़ से प्रभावित लोगों को रहने के लिए उन्हें होटलों में जाना पड़ रहा है। बाढ़ की वजह से निवासियों के साथ-साथ पर्यटकों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। होटल का किराया बढ़ने की वजह से पर्यटकों के बजट पर भी काफी असर पड़ रहा है।

खलीज टाइम्स से आयरलैंड से आए एक पर्यटक ने कहा, ÷ईमानदारी से कहूं तो यह एक डरावनी स्थिति है। मुझे दुबई पसंद है और मैं हर समय यहां आता हूं। लेकिन मुझे लगता है कि व्यवसाय के लिए लोगों की मुश्किलों से लाभ कमाने का प्रयास करना अनैतिक है। अन्यथा यह काफी नैतिक शहर है जिसे कुछ व्यवसायियों की वजह से बदनाम होना पड़ रहा है।

इजरायल ने ईरान पर हमले के लिए चुना खास दिन और जगह, पूरी दुनिया में क्यों चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान पर जुमे के दिन इजरायल ने सुबह ही मिसाइलों और ड्रोन से हमला बोल दिया। यह हमला ठीक वैसा ही था, जैसा ईरान ने पिछले दिनों इजरायल के ऊपर किया था। लेकिन इसमें एक खास बात यह थी कि इजरायल ने ईरान के बीचोंबीच बसे शहर इसफहान को निशाना बनाया। इसकी चर्चा पूरी दुनिया में इसलिए हो रही है क्योंकि यहीं पर ईरान ने अपने परमाणु हथियारों का ठिकाना भी बना रखा है। इस हमले को लेकर इजरायल ने कुछ कहा नहीं है और ईरानी मीडिया भी इसे ज्यादा तवज्जो नहीं दे रहा है। लेकिन अमेरिकी मीडिया ने अधिकारियों से कहा है कि इजरायल ने जोरदार जवाबी अटैक किए हैं।

ईरान की फारस न्यूज ने शुक्रवार सुबह अपनी रिपोर्ट में बताया कि इसफहान प्रांत के उत्तर पश्चिम इलाके में स्थित शेकारी आर्मी एयरबेस के पास तीन धमाके सुने गए हैं। वहीं ईरानी स्पेस एजेंसी के प्रवक्ता हुसैन डालिरियां ने कहा कि इजरायल ने कई ड्रोन भेजे थे, जिन्हें हमने मार गिराया है। लेकिन अब तक मिसाइल अटैक की जानकारी नहीं मिली है। एक अमेरिकी अधिकारी ने सीएनएन से बातचीत में कहा कि इजरायल के टारगेट पर ईरान के परमाणु ठिकाने नहीं थे। ईरान की एक न्यूज एजेंसी का भी कहना है कि परमाणु ठिकाने पूरी तरह से सेफ हैं।

वहीं ईरान अफसरों के हवाले से न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि इसफहान के मिलिट्री एयरबेस के पास हमला हुआ है।

पाकिस्तान में आखिर कौन सुरक्षित? अब जापानियों पर आत्मघाती हमला, दो लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान में आखिर कौन सुरक्षित है? यह सवाल इसलिए उठ रहा है क्योंकि सुदूर इलाकों से लेकर शहरों तक में आतंकी हमले हो रहे हैं। शुक्रवार की सुबह कराची के लांधी इलाके में एक आत्मघाती हमला हुआ। यह हमला जापानी नागरिकों को लेकर जा रही एक गाड़ी को निशाना बनाकर किया गया। इस हमले में दो लोगों की मौत की खबर है, जबकि पांचों जापानी नागरिक सुरक्षित हैं, जो कार में सवार थे। अब तक मिली जानकारी के अनुसार पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आत्मघाती हमलावर और दो आतंकवादी मारे गए हैं।

कराची पुलिस ने पुष्टि की है कि यह आत्मघाती हमला था। जियो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक इस हमले में एक और वाहन को नुकसान पहुंचा है। पुलिस ने कहा कि आतंकी के शरीर पर आत्मघाती जैकेट बंधी हुई थी और एक ग्रेनेड भी बंधा था। पुलिस ने बताया कि जिन जापानी नागरिकों को निशाना बनाकर हमला किया गया है, वे एक एक्सपोर्ट यूनिट में काम कर रहे थे। जिन्ना अस्पताल ने बताया कि तीन लोगों को अस्पताल में एडमिट कराया गया है। इनमें से दो लोग गंभीर रूप से जख्मी हैं।

नवाज शरीफ की बेटी की बेरहमी! वाहन से टकराकर सामने ही मर गया युवक पर नहीं रुका काफिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान में पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज के काफिले से एक मोटरसाइकल सवार की मौत हुई। इसके बावजूद मुख्यमंत्री का काफिला नहीं रुका और ना ही किसी ने उसे देखने की तकलीफ उठाई। पाकिस्तान में मरियम नवाज के इस व्यवहार को लेकर आलोचना की जा रही है। दरअसल नरियम बैसाखी पर आयोजित तीन दिवसीय जलसे में शामिल होने के लिए करतारपुर साहिब जा रही थीं। इसी बीच सामने से आ रहा मोटरसाइकल सवार उनके काफिले की एक गाड़ी से भिड़ गया और मौत हो गई। मरने वाली की पहचान 23 साल के अबूबकर के रूप में हुई है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अबूबकर की मौके पर ही मौत हो गई। हालांकि मरियम नवाज का काफिले उसे छोड़कर आगे रवाना हो गया। कोई हालचाल लेने भी नीचे नहीं उतरा। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक अबूबकर के भाई अली रिजवान ने बताया कि मृतक अपने घर से पेट्रोल पंप पर जा रहा था। वह पेट्रोल पंप प र नौकरी करता था। अबूबकर की मां ने कहा कि उनके घर में वही कमाता था। मरियम नवाज के काफिले में शामिल पुलिस की गाड़ी से वजह टकरा गया था और उसकी मौत हो गई।

मां ने मुख्यमंत्री मरियम नवाज से मदद की गुहार लगाई है। उन्होंने कहा है कि इस दुर्घटना के लिए जिम्मेदार शख्स के खिलाफ एफआईआर दर्द करके कार्रवाई की जानी चाहिए। रिपोर्ट के मुताबिक मृतक के पिता जानकारी मिलने के बाद बेहोश हो गए। इसके बाद उन्हें भी अस्पताल में भर्ती करवाना पड़ा। वहीं अधिकारियों का कहना है कि ऐक्सिडेंट की जानकारी मिलने के बाद ऐंबुलेंस वहां पहुंची थी लेकिन पीड़ित की मौत हो चुकी थी।

रिपोर्ट में कहा गया कि अबूबकर और हमजा दो लोग मोटरसाइकल पर सवार थे। तभी पीछे से तेज स्पीड से आ रही मोटरसाइकल ने टक्कर मार दी। इसके बाद दोनों रोड पर जा गिरे।

वंदे भारत ट्रेनों से हो रही कितनी कमाई, RTI के जवाब में रेलवे ने क्या बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेल मंत्रालय वंदे भारत ट्रेनों से आमदनी का अलग रिकॉर्ड नहीं रखता है। यह जानकारी सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत दायर आवेदन के जवाब में दी गई। मध्य प्रदेश निवासी चंद्रशेखर गौड़ ने यह जानना चाहा था कि रेल मंत्रालय ने पिछले 2 वर्षों में वंदे भारत रेलगाड़ियों से कितना राजस्व अर्जित किया है? क्या इनके संचालन से कोई लाभ या हानि हुई है? रेल मंत्रालय ने अपने जवाब में कहा कि ट्रेन के हिसाब से राजस्व रिकॉर्ड नहीं रखा जाता। वंदे भारत देश की पहली सेमी-हाई स्पीड ट्रेन है जिसे 15 फरवरी, 2019 को नई दिल्ली और वाराणसी के बीच हरी झंडी दिखाई गई थी। आज 102 वंदे भारत ट्रेन 24 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 284 जिलों से होकर 100 मार्गों पर चलती हैं।

रेलवे अधिकारियों ने सोमवार को कहा कि अब तक 2 करोड़ से अधिक लोगों ने वंदे भारत ट्रेन से यात्रा की है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि वित्त वर्ष 2023-24 में वंदे भारत रेलगाड़ियों द्वारा तय की गई दूरी पृथ्वी के 310 चक्कर लगाने के बराबर है। गौड़ ने आश्चर्य व्यक्त किया और कहा कि रेलवे वंदे भारत ट्रेन से यात्रा करने वाले लोगों की संख्या और संबंधित रेलगाड़ियों की ओर से तय की गई दूरी का रिकॉर्ड रखता है, लेकिन राजस्व सृजन के संबंध में सबसे महत्वपूर्ण जानकारी नहीं रखता। उन्होंने कहा, रेलवे अधिकारी एक वर्ष में वंदे भारत रेलगाड़ियों की ओर से तय की गई दूरी की गणना पृथ्वी के चारों ओर कुल चक्करों के बराबर कर सकते हैं। मगर, उसके पास इन ट्रेन से एकत्र हुए कुल राजस्व की गणना नहीं है।

एमपी निवासीगौड़ ने कहा, रेलवे के लिए वंदे भारत ट्रेन से राजस्व की स्थिति का अलग रिकॉर्ड रखना बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि ये भारत की पहली सेमी-हाई स्पीड नयी पीढ़ी की ट्रेन हैं। इनकी लाभप्रदता से वास्तविक लोकप्रियता स्थापित होगी। रेलवे ने पिछले साल अक्टूबर में दायर आरटीआई के तहत एक अन्य आवेदन का जवाब दिया था।

कुश्ती में भारत को लग सकता है झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। दीपक पूनिया और सुजीत कलकल की पेरिस ओलिंपिक के लिए क्वॉलीफाई करने की उम्मीदों को झटका लगा है क्योंकि किर्गिस्तान जाने वाले दोनों भारतीय पहलवान खाड़ी देश में भारी वर्षा के कारण दुबई हवाई अड्डे पर फंस गए हैं। टोक्यो ओलिंपिक में पदक जीतने के करीब पहुंचे दीपक (86 किग्रा) और सुजीत (65 किग्रा) शुक्रवार से शुरू हो रहे एशिया ओलिंपिक क्वॉलीफायर में भाग लेने के लिए बिश्केक जा रहे थे, जो पेरिस ओलिंपिक की क्वॉलीफाइंग प्रतियोगिता है।

हालांकि, दोनों दुबई हवाई अड्डे पर फंसे रह गए क्योंकि देश में अब तक हुई सबसे भारी वर्षा के कारण प्रमुख राजमार्गों और सड़कों पर पानी भरने के अलावा विश्व के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में से एक में अव्यवस्था छा गई है। रूसी कोच कमाल मालिकोव और फिजियो शुभम गुप्ता के साथ इन दोनों को फर्श पर सोने के लिए मजबूर होना पड़ा और वर्षा से उत्पन्न संकट के कारण उन्हें उचित भोजन भी नहीं मिल पा रहा है।

दीपक और सुजीत का वजन शुक्रवार को होगा- दीपक और सुजीत का वजन शुक्रवार को सुबह आठ बजे होगा, जबकि इसी दिन मुकाबले भी हैं।

SC-ST आयोग को अनुकंपा पर नौकरी की सिफारिश करने का अधिकार नहीं, हाई कोर्ट ने क्यों कहा ऐसा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक हाई कोर्ट ने हाल ही में अपने एक फैसले में कहा है कि अनुसूचित जाति-जनजाति आयोग किसी को भी अनुकंपा के आधार पर नौकरी देने की सिफारिश नहीं कर सकता है। जस्टिस सचिन शंकर मगदुम की एकल पीठ ने भारतीय स्टेट बैंक द्वारा दायर याचिका को स्वीकार करते हुए यह आदेश दिया है। इसके साथ ही हाई कोर्ट ने कर्नाटक राज्य अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयोग के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें आयोग ने स्व्र्रह्न को चेतना सदाशिव कांबले सेवानगर को अनुकंपा के आधार पर नौकरी देने की सिफारिश की थी।

लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस सचिन शंकर मगदुम की एकल पीठ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट और इस अदालत ने लगातार अपने फैसलों में यह माना है कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयोग के पास सेवा से जुड़े मामलों में संबंधित निर्देश जारी करने का कोई अधिकार नहीं है।

अनुसूचित जाति-जनजाति आयोग के आदेश के खिलाफ भारतीय स्टेट बैंक की याचिका को स्वीकार करते हुए हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह आदेश दूसरे प्रतिवादी (चेतना सदाशिव कांबले सेवानगर) को अनुकंपा के आधार पर रोजगार की सिफारिश करने में बाधा नहीं बनेगा। इसके साथ ही अदालत ने कहा, आक्षेपित आदेश क्षेत्राधिकार के बिना होने के कारण, टिकाऊ नहीं है और इसलिए,इसे रद्द किया जाता है।

गूगल ने डूडल के साथ लोकसभा चुनाव 2024 का जश्न मनाया, यूजर्स को दिया खास संदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2024 लोकसभा चुनाव के पहले फेज में आज वोटिंग का दिन है। इसी के साथ दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनावी महाकुंभ का शंखनाद हो रहा है। इस मौके पर गूगल ने एक बढ़िया डूडल बनाया है, जिसे उसके होमपेज पर देखा जा सकता है। डूडल में गूगल के दूसरे 'O' में मतदान करने वाले हाथ की छवि और तर्जनी पर स्याही का निशान दिखाया गया है, जैसा कि भारत में मतदाताओं के लिए प्रथागत है। यह डूडल 19 अप्रैल यानी की आज पूरे दिन भारतीय उपयोगकर्ताओं के गूगल होमपेज पर दिखाई देगा। गूगल ने अपने होम पेज पर ऐसा डूडल बनाकर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के चुनाव प्रक्रिया में शामिल होकर जश्न मनाया है। गूगल ने आधिकारिक डूडल पेज पर डूडल के डिजाइनर का नाम नहीं बताया है। हालांकि, इस पर क्लिक करने पर उपयोगकर्ताओं को भारत में चुनावों पर नवीनतम अपडेट से संबंधित खोज परिणामों के लिए निर्देशित किया जाता है।

गूगल डूडल अलग-अलग कलाकारों द्वारा बनाए जाते हैं, जिनमें गूगल की आंतरिक टीम और अतिथि कलाकार दोनों शामिल हैं।

2024 लोकसभा चुनाव 19 अप्रैल से सात चरणों में होंगे। पहले चरण में 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की कुल 102 सीटों पर मतदान होना है। चुनाव का अंतिम चरण 1 जून, 2024 को होगा। वोटों की गिनती 4 जून को होगी और उसी दिन परिणाम घोषित किए जाएंगे। भारत में 2024 के लोकसभा चुनाव में 1.44 अरब लोगों की आबादी में से लगभग 970 मिलियन लोग मतदान करने के पात्र हैं। लोकसभा में कुल 543 सीटें हैं और इन सभी पर 2024 के चुनाव में चुनाव होंगे।

अनुकंपा नियुक्ति का बार-बार दावा नहीं कर सकता मृतक का परिवार, हाईकोर्ट की बड़ी टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनुकंपा नियुक्ति पर केरल हाईकोर्ट ने अहम टिप्पणी की है। अदालत का कहा है कि मृतक सरकारी कर्मचारी का परिवार बार-बार अनुकंपा नियुक्ति की मांग नहीं कर सकता है। हाल ही में इससे जुड़े एक मामले की सुनवाई उच्च न्यायालय में हुई, जहां अदालत ने कहा कि अनुकंपा नियुक्ति का तरीका नहीं, बल्कि इसका मकसद मृतक के परिवार को परेशानी से उबारना है।

याचिका पर सुनवाई कर रहे जस्टिस ईश्वरन एस ने कहा, %ऐसा नहीं माना जा सकता कि अनुकंपा नियुक्ति की योजना परिवार के सदस्यों को नियुक्ति के लिए बार-बार दावा करने की अनुमति देती है। यह याद रखा जाना चाहिए अनुकंपा नियुक्ति का तरीका नहीं, इसका उद्देश्य मृतक के परिवार को अभाव से बाहर लेकर आना है।

RPF में कॉन्स्टेबल रहे आर बालचंद्र पिल्लई का साल 2006 में निधन हो गया था। अब उनके बेटे की तरफ से याचिका दाखिल की गई है।

यह बताया गया है कि साल 2006 में पत्नी की तरफ से आवेदन दिया गया था, जिसमें अनुकंपा के लिए बेटी का नाम आगे बढ़ाया गया था। बेटी ने न तो उस नियुक्ति का इस्तेमाल किया और न ही दावा छोड़ा। इसके बाद साल 2012 में पत्नी की तरफ से एक और आवेदन दिया गया, जिसमें बेटे को अनुकंपा नियुक्ति के लिए नॉमिनेट किया गया था। साल 2014 में पत्नी ने बेटी को मिली पिछली नियुक्ति को रद्द कर बेटे को देने की बात कही थी। तब अधिकारियों ने अनुरोध अस्वीकर कर दिया था और कहा था कि साल 2016 में बेटे को अनुकंपा नियुक्ति पर विचार नहीं किया जा सकता। इसके बाद साल 2018 में एक रिट याचिका दाखिल हुई।

याचिका के जवाब में अधिकारियों की तरफ से भी एक याचिका दाखिल की गई, जिसमें आरोप लगाए गए कि 2016 में पास आदेश के खिलाफ अदालत आने बेवजह देरी की है। साथ ही यह भी कहा गया कि बेटी अनुकंपा नियुक्ति के मौके दिए गए थे।

समुद्र मंथन वाले वासुकि नाग के अस्तित्व पर लगी विज्ञान की मुहर, गुजरात में मिले 4.7 करोड़ वर्ष पुराने अवशेष

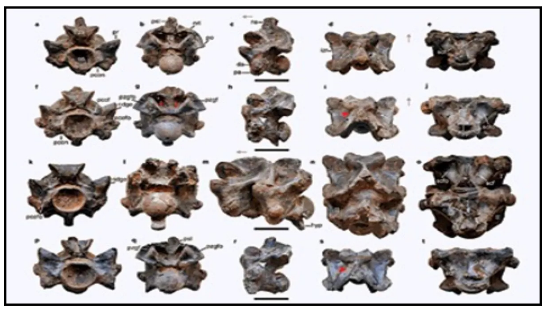

नई दिल्ली (एजेंसी)। समुद्र मंथन की पौराणिक गाथाओं में मंदराचल पर्वत पर लपेटे गए वासुकि नाग के अस्तित्व को प्रमाणित करने के लिए जरूरी वैज्ञानिक आधार मिल गया है। आइआइटी रुड़की के एक अहम शोध में गुजरात के कच्छ स्थित खदान में एक विशालकाय सर्प की रीढ़ की हड्डी के अवशेष मिले हैं। ये अवशेष 4.7 करोड़ वर्ष पुराने हैं। जिस सर्प की हड्डी के अवशेष मिले हैं, विज्ञानियों ने उसे वासुकि इंडिकस नाम दिया है। विज्ञानियों का कहना है कि यह अवशेष धरती पर अस्तित्व में रहे विशालतम सर्प के हो सकते हैं। कच्छ स्थित पनंध्रो लिग्नाइट खदान में विज्ञानियों ने 27 अवशेष खोजे हैं, जो कि सर्प की रीढ़ की हड्डी (वर्टिब्रा) के हिस्से हैं।

अगर आज वासुकि होता तो बड़े अजगर की तरह दिखता- इनमें से कुछ उसी स्थिति में हैं, जैसे जीवित अवस्था में सर्प विचरण के समय रहे होंगे। विज्ञानियों के अनुसार, अगर आज वासुकि का अस्तित्व होता तो वह आज के बड़े अजगर की तरह दिखता और जहरीला नहीं होता। खदान कच्छ के पनंध्रो क्षेत्र में स्थित है और यहां से कोयले की निम्नतम गुणवत्ता वाला कोयला (लिग्नाइट) निकाला जाता है। साइंटिफिक रिपो?र्ट्स जर्नल में यह शोध प्रकाशित हुआ है। शोध के मुख्य लेखक और आइआइटी रुड़की के शोधार्थी देबाजीत दत्ता ने बताया कि आकार को देखते हुए कहा जा सकता है कि वासुकि एक धीमा गति से विचरण करने वाला सर्प था, जो एनाकोंडा और अजगर की तरह अपने शिकार को जकड़ कर उसकी जान ले लेता था।

जब धरती का तापमान आज से कहीं अधिक था तब यह सर्प तटीय क्षेत्र के आसपास दलदली भूमि में रहता था। यह सर्प 6.5 करोड़ वर्ष पूर्व डायनासोर का अस्तित्व खत्म होने के बाद आरंभ हुए सेनोजोइक युग में रहता था।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

सर्वे भवन्तु सुखिनः

उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine

हिन्दकुश मीडिया

hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश
हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 पौष कृष्ण द्वादशी

संपादकीय

हाल ही में, लोग सीखने के एक अलग तरीके को अपना रहे है

हाल ही में, लोग सीखने के एक अलग तरीके - अनस्कूलिंग और कौशल आधारित शिक्षा के बारे में उत्सुक हो रहे हैं। इंटरनेट स्पष्ट रूप से मानवीय जिज्ञासा को इतनी उत्कृष्टता से पहचानता है कि भारत में अनस्कूलिंग शीर्षक वाले समाचार लेख खोज इंजनों में बाढ़ ला रहे हैं। स्कूली शिक्षा में इस नए दृष्टिकोण के साथ कई संस्थान आगे आ रहे हैं। ऐसे संस्थान बच्चों में उनकी जिज्ञासा के आधार पर जैविक शिक्षा को प्रोत्साहित करते हैं जहां वे उन विषयों का अध्ययन करते हैं जो वे चाहते हैं। अनस्कूलिंग शब्द भारत की प्राचीन गुरु-शिष्य प्रणाली गुरुकुल का बोध कराता है। इस प्रकार, जड़ों की ओर वापस जाने पर इन दिनों कुछ शैक्षिक विशेषज्ञ विचार कर रहे हैं। प्राचीन भारत में, ब्रिटिश जहाजों के हमारे तटों पर आने से पहले, प्रणाली जैविक शिक्षा पर केंद्रित थी जिसमें छात्र उन विषयों को पढ़ते थे जिनमें वे कुशल होते थे। शिक्षण का तरीका व्यावहारिक और जैविक तरीकों के माध्यम से था जो शिष्यों को गुरुओं के मार्गदर्शन में अनुभवों के माध्यम से सीखने की अनुमति देता था। इस प्रकार, इस प्रणाली ने गुणवत्तापूर्ण कलाकार, दार्शनिक, गणितज्ञ, शिक्षक, डॉक्टर, तीरंदाज, तैराक आदि पैदा किए। यह प्रणाली उस समय एकदम सही थी जब सीखना नौकरी उन्मुख नहीं था, ज्यादातर यह ज्ञान प्राप्त करने के लिए था (जो कि वास्तविक माना जाता है) शिक्षा का मतलब!) प्राचीन भारत में पुराने समय सरल और समृद्ध थे। हमारा देश समृद्ध होने के साथ-साथ ज्ञान से भी समृद्ध था।

खेती, कलात्मकता आदि में लगे लोगों की आजीविका और जीवन आसान था (निश्चित रूप से कम उम्मीदों के साथ)। इसलिए, उस समय के दौरान जैविक शिक्षा का विकास हुआ। लेकिन जब अंग्रेजों ने भारत की धरती पर आधुनिक शिक्षा के बीज बोये तो परिदृश्य बदल गया। शिक्षा प्रणाली ने अंग्रेजों को प्रशासनिक सहायता प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया। भारत में खेती, कलात्मकता और राजपरिवार के साथ काम करने वालों के अलावा कामकाज के नये क्षेत्र विकसित हुए। जब ब्रिटिश राज खत्म हो गया, तो हम दुनिया के कम समृद्ध देशों में से एक बनकर रह गये। वित्तीय स्थिरता कौशल पर हावी हो गई और इस प्रकार शिक्षा प्रणाली कठोर हो गई और शिक्षा रोजगारोन्मुख हो गई। अब जब हाल के दिनों में स्कूली शिक्षा की कमी के बारे में पता चला है, तो मुझे यकीन है कि यह बहुत सारे सवाल पैदा करता है। क्या अनस्कूलिंग काम करती है? कौशल आधारित शिक्षा क्या है? और भी कईज अनस्कूलिंग क्या है? यह शब्द सबसे पहले अनस्कूलिंग के जनक जॉन होल्ट द्वारा गढ़ा गया था। उनके अनुसार, अनस्कूलिंग सीखने और सिखाने का एक प्रकार है जो स्कूली सीखने और सिखाने जैसा नहीं है। गैर-स्कूली शिक्षा में, बच्चों को पारंपरिक रूप से किए जाने वाले कठोर पाठ्यक्रम का पालन करने के बजाय उन विषयों को चुनने की स्वतंत्रता होती है जिनमें वे रुचि रखते हैं। चूँकि हम यह नहीं जान सकते कि भविष्य में किस ज्ञान की सबसे अधिक आवश्यकता होगी, इसलिए इसे पहले से सिखाने का प्रयास करना व्यर्थ है। इसके बजाय, हमें ऐसे लोगों को तैयार करने का प्रयास करना चाहिए जो सीखना बहुत पसंद करते हैं और इतनी अच्छी तरह से सीखते हैं कि वे जो कुछ भी सीखने की जरूरत है उसे सीखने में सक्षम होंगे। यही अनस्कूलिंग का दर्शन है - अवांछित विषयों का बोझ कम करें और एक ऐसी पीढ़ी तैयार करें जो वास्तव में स्कूल में कुछ सीखती है! मजे की बात है, यह सच है। यह प्रणाली मानती है कि बच्चे स्वाभाविक रूप से सीखने वाले होते हैं। उनकी जिज्ञासा से उनके सीखने को प्रोत्साहन मिलता है। प्रतिभाओं को पाठ्यक्रम की सलाखों के पीछे छिपाना पूरी तरह से गैर-स्कूली शिक्षा के दर्शन के विरुद्ध है। यह प्रणाली छात्रों को नौकरी उन्मुख होने के बजाय करियर उन्मुख होने का आग्रह करती है।

गौरीशंकर हीराचंद ओझा

गौरीशंकर हीराचंद ओझा भारत के प्रसिद्ध इतिहासकार थे। इन्हें इतिहास, पुरातत्त्व और प्राचीन लिपियों में विशेषज्ञता प्राप्त थी। वर्ष 1937 में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ने उन्हें डी.लिट की उपाधि से सम्मानित किया था। ओझा जी आधी शताब्दी तक ज्ञान के प्रकाश स्तम्भ के रूप में खड़े थे। वे भारत के अतीत का मार्ग टटोलने में निरन्तर आलोक पाते रहे। सिरोही राज्य, सोलंकियों तथा राजपूताने के इतिहास के साथ-साथ आपने इतिहास तथा अन्य विषयक कई ग्रंथ लिखे।

जन्म तथा शिक्षा

पण्डित गौरीशंकर हीराचंद ओझा का जन्म 15 सितम्बर, 1863 ई. को में हुआ था। मेवाड़ और सिरोही राज्य की सीमा पर एक गांव है- रोहिड़ा। अरावली श्रृंखला के पश्चिम में तलहटी में बसा यह गांव उस दिन धन्य हो गया जिस दिन हीराचन्द ओझा के घर पुत्ररत्न ने पदार्पण किया। वह दिन था मंगलवार भाद्रपद सुदि पंचमी संवत 1920। अति सामान्य ब्राह्मण परिवार में जन्म होने के कारण गौरीशंकर हीराचंद ओझा की प्रारम्भिक शिक्षा उस छोटे से गांव में ही हुई। संस्कृत का अध्ययन आपने अपने पिता के पास रहकर किया। बाद में 1877 में मात्र 14 वर्ष की आयु में उच्च शिक्षा के लिये वे मुम्बई गये, जहां 1885 में एलफिंस्टन हाईस्कूल से मेट्रिक्यूलेशन की परीक्षा उत्तीर्ण की। रोगग्रस्त हो जाने के कारण वे इन्टरमीडियेट की परीक्षा न दे सके और गांव लौट आये।

इतिहास में रुचि

रोहिड़ा आने पर गौरीशंकर हीराचंद ओझा को राजपूताने के इतिहास के बारे में जानने की इच्छा हुई। इस संदर्भ में उन्होंने कर्नल टॉड की पुस्तक का अध्ययन किया। इस ग्रंथ ने उन्हें बहुत प्रेरणा दी। वे सच्चे ब्राह्मण की तरह अपने देश और मातृभूमि के अध्ययन के लिये प्रवृत्त हुए। आर्थिक और सामाजिक प्रलोभनों से आँखें मूंदकर अपनी पत्नी को साथ लेकर सिरोही से गोगुन्दा के रास्ते पैदल चलते हुए मेवाड़ के अनेक छिपे हुए और अप्रसिद्ध ऐतिहासिक एवं पुरातत्व की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थानों को खोज-खोज कर उनकी तीर्थ यात्रा करते हुए 1888 में उदयपुर पहुंचे। उदयपुर में आपका सम्पर्क कविराजा श्यामलदास से हुआ।

उनकी पैनी दृष्टि ने ओझा की प्रतिभा को तुरंत पहचान लिया। उनकी विद्वत्ता से वे प्रभावित भी हुए। कविराजा के आग्रह पर ही महाराणा फतेहसिंह ने इतिहास विभाग में रख दिया। उस समय तक वीर विनोद के लेखन का कार्य लगभग समाप्त हो चुका था। अतः ओझाजी को विक्टोरिया हॉल के सार्वजनिक पुस्तकालय व संग्रहालय का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। उन्हें हिन्दी में लेखन कार्य करने की प्रेरणा विनायक शात्री बेताल से मिली। इसी काल में ओझाजी ने भारतीय लिपियों का गहनता से अध्ययन किया।

यूरोपीय विद्वान् वुर्हलर की लिपि संबंधित पुस्तक का भी अध्ययन किया। ओझाजी से पूर्व भारतीय लिपि के बारे में यह धारणा थी कि भारतीय लिपि का विकास मिश्रा, हिब्रू के मिश्रण से हुआ है और वह भी ईसा पूर्व पांचवी शताब्दी में।

पुस्तक रचना

सन 1894 ई. में भारतीय प्राचीन लिपि माला नामक पुस्तक लिखकर गौरीशंकर हीराचंद ओझा ने भाषा और लिपि के क्षेत्र में क्रान्ति ला दी। उन्होंने बुइलर को पत्र लिखकर अपने तर्कों और प्रमाणों के आधार पर उनके द्वारा स्थापित विचार को निर्मूल सिद्ध किया। तब से दुनिया ने उनके सिद्धान्त को प्रतिष्ठा प्रदान की। आज यह पुस्तक संयुक्त राष्ट्र संघ के उन पुस्तकों में है, जो विश्व की निधि घोषित किये गये हैं। इस पुस्तक के माध्यम से ओझाजी ने संसार के समक्ष यह विचार रखा कि ब्राह्मी लिपि समझने के पश्चात् दूसरी लिपियों को आसानी से समझा जा सकता है, क्योंकि दूसरी लिपियों में थोड़ा बहुत अन्तर पड़ता जाता है। ब्राह्मी और खरोष्ठी लिपि की उत्पत्ति पर भी आपने इस पुस्तक में प्रकाश डाला है। बाद में शिलालेखों, ताम्रपत्रों, सिक्कों व दानपत्रों पर उत्कीर्ण ब्राह्मी, गुप्त, कुटिल, नागरी, शारदा, बंगला, पश्चिमी, मध्यप्रदेशी, तेलगू, कन्नड़, कलिंग, तमिल, खरोष्ठी आदि लिपियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी है। इसके लिये ओझाजी ने विविध 45 लिपिपत्र तैयार कर अलग-अलग भाषाओं में अक्षरों का बोध कराया। उसके पश्चात् भारत की लिपियों और अंकों की उत्पत्ति के बारे में उल्लेखनीय जानकारी दी।

राजस्थानी इतिहास पर शोध व संकलन

1894 के बाद गौरीशंकर हीराचंद ओझा राजस्थान के इतिहास के मनन, पुनः शोधन व संकलन में लग गये। उनके अध्ययन की गंभीरता को पहचानते हुए विद्या विशारद जर्मन विद्वान् कील हार्न ने सच ही लिखा था कि ÷ओझा से अधिक अपने देश के इतिहास को कौन जानता है।÷ सन 1902 में लॉर्ड कर्ज़न दिल्ली दरबार में उपस्थित रहने के लिये महाराणा फतेहसिंह को स्वयं निमंत्रण देने आये। रेजीडेण्ट के माध्यम से भारत सरकार को यह सूचना मिली थी कि महाराणा 1903 के दिल्ली दरबार में नहीं आयेंगे। इसलिये आग्रह करने स्वयं वायसराय उदयपुर आये थे। वहीं उनका परिचय ओझाजी से हुआ। उनकी विद्वत्ता और लगन से वे बड़े प्रभावित हुए। भारत के बारे में विशेष जानकारी के लिये उत्तर भारत का केन्द्र वे अजमेर को बनाना चाहते थे। ओझाजी से मिलकर उन्हें लगा कि पुरातात्विक कार्य के लिये यही व्यक्ति उपयुक्त है। अतः उन्होंने ओझाजी के सम्मुख भारत के पुरातत्त्व के उच्च पद का प्रस्ताव रखा। पर उन्होंने इस पद को अस्वीकार कर दिया, क्योंकि वे मेवाड़ में रहकर ही उसकी सेवा करना चाहते थे।

आजमेर आगमन

कुछ वर्ष पश्चात् 1908 में लॉर्ड मिण्टो ने लॉर्ड कर्ज़न की योजना के अनुसार राजपूताना पुरातत्व संग्रहालय' की स्थापना अजमेर में की। इसके पालक के रूप में गौरीशंकर हीराचंद ओझा को बुलावा गया। वे मेवाड़ नहीं छोड़ते, पर विद्वत सम्मान के प्रति महाराणा फतेहसिंह की उदासीनता के कारण सन 1908 में वे उदयपुर छोड़कर अजमेर आ गये।

रचनाएँ

गौरीशंकर हीराचंद ओझा आधी शताब्दी तक ज्ञान के प्रकाश स्तम्भ के रूप में खड़े थे। वे भारत के अतीत का मार्ग टटोलने में निरन्तर आलोक पाते रहे। सिरोही राज्य, सोलंकियों तथा राजपूताना के इतिहास के साथ-साथ आपने इतिहास तथा अन्य विषयक कई ग्रंथ लिखे, उनमें निम्नलिखित प्रमुख थे-

उदयपुर राज्य का इतिहास - प्रथम खण्ड (1928), द्वितीय खण्ड (1932)

डूंगरपुर राज्य का इतिहास - (1936)

बांसवाड़ा राज्य का इतिहास - (1936)

बीकानेर राज्य का इतिहास - प्रथम भाग (1937), द्वितीय भाग (1940)

जोधपुर राज्य का इतिहास - प्रथम भाग (1938), दूसरा भाग (1941)

प्रतापगढ़ राज्य का इतिहास - (1940)

इसके अतिरिक्त तीन निबन्ध संग्रह भी प्रकाशित हुए। गौरीशंकर हीराचंद ओझा ने कई पत्र-पत्रिकाओं का सम्पादन भी किया। मध्यकालीन भारतीय संस्कृति, सोलंकियों का इतिहास, पृथ्वीराज विजय, कर्मचंद वंश तथा राजपूताना का इतिहास ये ओझाजी की कुछ प्रमुख पुस्तकें थीं। वर्ष 1898 में प्रकाशित इनकी भारतीय प्राचीन लिपि माला अपने विषय की सर्वश्रेष्ठ रचना मानी गई थी। ओझा जी वर्ष 1908 में राजपूताना म्यूज़ियम के अध्यक्ष बनाए गए और 1938 तक इस पद पर बने रहे।

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ने 1937 में उन्हें डी.लिट की उपाधि प्रदान करके सम्मानित किया था।

निधन

गौरीशंकर हीराचंद ओझा और काशीप्रसाद जायसवाल के शिष्य जयचन्द्र विद्यालंकार ने 'भारतीय इतिहास परिचय' नामक संस्था खड़ी की थी। उनका उद्देश्य भारतीय दृष्टि से समस्त अध्ययन को आयोजित करना और भारत की सभी भाषाओं में उसके द्वारा ऊंचे साहित्य का विकास करना था।

1941 में ओझाजी ने जयचन्द्र विद्यालंकार को अजमेर बुलाकर कहा कि उनके शोधकार्य का भार वे उठा लें। उसके लिये राजस्थान में भारतीय इतिहास परिषद की एक शाखा स्थापित कर दें। इस विचार का उत्साह से स्वागत किया गया। किन्तु इसके शीघ्र बाद जापान युद्ध और 1942 का भारत छोड़ो आन्दोलन आ गया। इस राजनैतिक संघर्ष में जयचन्द्र जेल चले गये।

पहली बार बोनस शेयर बांटने की तैयारी में कंपनी, ऐलान से पहले नई ऊंचाई पर शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयरों में शुक्रवार को जबरदस्त उछाल आया है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल के शेयर शुक्रवार को 8 पर्सेंट से ज्यादा की तेजी के साथ 2270.80 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों ने 52 हफ्ते का अपना नया हाई बनाया है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल के शेयरों में यह उछाल एक बड़े ऐलान की वजह से आया है। कंपनी अपने निवेशकों को बोनस शेयर देने की तैयारी में है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 583 रुपये है।

पहली बार बोनस शेयर देने की तैयारी में कंपनी - मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज ने स्टॉक एक्सचेंजों को बताया है कि कंपनी के बोर्ड की 26 अप्रैल को मीटिंग है। कंपनी बोर्ड इस बैठक में बोनस शेयर देने पर विचार करेगा। अगर बोनस शेयर को मंजूरी मिलती है तो यह पहला मौका होगा, जब कंपनी अपने निवेशकों को बोनस शेयर इश्यू करेगी। 26 अप्रैल को होने वाली मीटिंग में कंपनी का बोर्ड मार्च 2024 तिमाही की अर्निंग्स पर भी विचार करेगा। इस साल फरवरी में मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल ने हर शेयर पर 14 रुपये का डिविडेंड डिक्लेयर किया है।

एक साल में शेयरों में 275% का उछाल - मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल के शेयरों में पिछले एक साल में 275 पर्सेंट की जबरदस्त तेजी आई है। कंपनी के शेयर 20 अप्रैल 2023 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 601.20 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 19 अप्रैल 2024 को 2270.80 रुपये पर पहुंच गए हैं।

पिछले 6 महीने में कंपनी के शेयरों में करीब 130 पर्सेंट की तेजी देखने को मिली है। इस अवधि में मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल के शेयर 982.30 रुपये से बढ़कर 2270 रुपये पर पहुंच गए हैं। वहीं, पिछले एक महीने में कंपनी के शेयरों में 43 पर्सेंट का तगड़ा उछाल देखने को मिला है। इस साल अब तक मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल के शेयरों में करीब 80 पर्सेंट की तेजी आई है।

एक साल से तूफानी रिटर्न दे रहा 45 वाला शेयर, अब दिग्गज निवेशक का बड़ा दांव

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार के दिग्गज निवेशक आशीष कचोलिया समय-समय पर अपने पोर्टफोलियो में नए शेयर जोड़ते हैं। इस बार उन्होंने माइक्रोकैप फार्मा कंपनी-संजीवनी पैरेंट्रल लिमिटेड में हिस्सेदारी खरीदी है। इस खबर के बाद से ही कंपनी के शेयर में तूफानी तेजी है। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को शेयर पर रिटेल निवेशक टूट पड़े और यह करीब 10% चढ़कर 185.45 के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। पिछले दो कारोबारी सत्रों में स्टॉक में 21% से ज्यादा की तेजी आई है। आशीष कचोलिया ने जनवरी से मार्च की अवधि के दौरान संजीवनी पैरेंट्रल लिमिटेड के 3.70 लाख इक्विटी शेयरों के बराबर 3.17% हिस्सेदारी खरीदी है। वर्तमान में उनके निवेश का होल्डिंग मूल्य 6.70 करोड़ है। कंपनी के शेयरहोल्डिंग पैटर्न के मुताबिक संजीवनी पैरेंट्रल के प्रमोटरों के पास 27.67% हिस्सेदारी है, जबकि सार्वजनिक शेयरधारकों के पास शेष 62.12त्न हिस्सेदारी है। पिछले एक साल की अवधि में संजीवनी पैरेंट्रल के शेयरों ने निवेशकों को मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। इस अवधि में शेयर 300% तक बढ़ गया है। यह इसी अवधि में सेंसेक्स द्वारा दिए गए 21% रिटर्न से काफी अधिक है। 2 मार्च 2024 को शेयर की कीमत 188.35 रुपये तक चली गई थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। पिछले साल अप्रैल 2023 में शेयर की कीमत 45.85 रुपये के निचले स्तर तक गई थी।

474 तक जाएगा टाटा का यह शेयर! एक्सपर्ट की नजर, 8 मई का दिन अहम

नई दिल्ली (एजेंसी)। गर्मी के मौसम में पावर सेक्टर के शेयर पर खास फोकस है। इसमें से एक शेयर टाटा पावर भी है। वैसे तो सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को टाटा पावर कंपनी लिमिटेड के शेयर सुस्त नजर आ रहे थे लेकिन बीते एक साल में इसने निवेशकों को मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। टाटा पावर के शेयर शुक्रवार को 2.52 प्रतिशत फिसलकर 419.05 रुपये के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गए। 12 अप्रैल को शेयर की कीमत 444.10 रुपये तक गई थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई भी है। इस मल्टीबैगर शेयर में पिछले एक साल में 120 फीसदी की तेजी आई है। टाटा समूह की पावर कंपनी के लिए 8 मई, 2024 का दिन काफी अहम है। दरअसल, इस दिन कंपनी चौथी तिमाही के परिणाम घोषित करेगी। इसके साथ ही कंपनी अपने शेयरधारकों के लिए डिविडेंड की भी घोषणा करने के मूड में है। विलियम O'Neil इंडिया के इक्विटी रिसर्च प्रमुख मयूरेश जोशी ने बिजनेस टुडे टीवी को बताया- टाटा पावर की मजबूत कमाई आगे भी जारी रहने की उम्मीद है। इस शेयर को रडार पर रखा जा सकता है। वहीं, प्रभुदास लीलाधर के तकनीकी अनुसंधान विश्लेषक शिजू कूथुपालक्कल ने कहा कि शेयर 444 रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया है, जहां इसने कुछ प्रतिरोध दिखाया है। शेयर का निकट अवधि के लिए संभावित लक्ष्य 454-474 रुपये है। वहीं, आनंद राठी शेयर्स एंड स्टॉक ब्रोकर्स के जिगर एस पटेल ने कहा कि शेयर का सपोर्ट 414 रुपये और प्रतिरोध 435 रुपये पर होगा। एक महीने के लिए अपेक्षित ट्रेडिंग रेंज 410 रुपये और 450 रुपये के बीच होने की उम्मीद है। इसी तरह, टिप्स2ट्रेड्स के एआर रामचंद्रन ने कहा कि यह शेयर निकट अवधि में 372 रुपये के निचले स्तर तक पहुंच सकता है। मार्च 2024 तक प्रमोटरों के पास टाटा समूह की कंपनी में 46.86 प्रतिशत हिस्सेदारी थी।

6 साल की ऊंचाई पर पहुंचा यह शेयर, 1 महीने में ही 51% उछल गया शेयर का भाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडस टावर्स के शेयर शुक्रवार को 4 पर्सेंट के उछाल के साथ 359.60 रुपये पर पहुंच गए हैं। टेलिकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी इंडस टावर्स के शेयरों ने 52 हफ्ते का नया हाई बनाया है। इंडर्स टावर्स के शेयरों में पिछले एक महीने में 51 पर्सेंट का तगड़ा उछाल आया है। कंपनी के शेयर एक महीने में 238 रुपये से बढ़कर 359 रुपये के पार पहुंचे हैं। इंडस टावर्स के शेयरों में यह तेज उछाल बेहतर बिजनेस आउटलुक की वजह से आया है। इंडस टावर्स को मई रीबैलेंसिंग में MSCI ग्लोबल स्टैंडर्ड इंडेक्स में शामिल किया जा सकता है। इंडस टावर्स के शेयर जनवरी 2018 के बाद से अपने हाइएस्ट लेवल पर पहुंच गए हैं।

इंडस टावर्स के शेयरों में पिछले एक साल में 160 पर्सेंट से ज्यादा की तेजी आई है। इंडस टावर्स के शेयर 19 अप्रैल 2023 को 136.90 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 19 अप्रैल 2024 को 359.60 रुपये पर पहुंच गए हैं। इस साल अब तक इंडस टावर्स के शेयरों में 75 पर्सेंट से अधिक का उछाल आया है।

साल की शुरुआत में 1 जनवरी 2024 को कंपनी के शेयर 202.90 रुपये पर थे, जो कि अब 359 रुपये के पार पहुंच गए हैं। इंडस टावर्स के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 135.80 रुपये है।

इस कंपनी को मिला विंड एनर्जी का बड़ा ऑर्डर, शेयर ने लगा दी दौड़, आपका है दांव?

नई दिल्ली (एजेंसी)। विंड एनर्जी सॉल्यूशन प्रोवाइडर आईनॉक्स विंड को एक बार फिर हीरो फ्यूचर एनर्जीज (एचएफई) से बड़ा ऑर्डर मिला है। इसके तहत कंपनी ने 210 मेगावाट का ठेका हासिल किया है। इसके अतिरिक्त आईनॉक्स विंड इसके पूरा होने के बाद मल्टी-लेवल ऑपरेशन एंड मेंटेनेंट (ओएंडएम) सर्विसेज भी प्रदान करेगा। यह ठेका (आईडब्ल्यूएल) आईनॉक्स विंड लिमिटेड के अत्याधुनिक तीन मेगावाट विंड टर्बाइन जेनरेटर (डब्ल्यूटीजी) के लिए है। इस दायरे में कुछ अन्य सेवाओं के साथ उपकरण आपूर्ति शामिल है।

आईनॉक्स विंड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कैलाश ताराचंदानी ने कहा- हम लंबे समय से साझेदार हीरो फ्यूचर एनर्जीज से 210 मेगावाट का ठेका दोबारा मिलने की घोषणा करते हुए काफी खुश हैं। यह ठेका हमारे 3एमडब्ल्यू डब्ल्यूटीजी में विश्वास को मजबूत करता है, जो अपनी श्रेणी के सबसे कुशल टर्बाइनों में से एक है।

सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को बीएसई इंडेक्स पर आईनॉक्स विंड लिमिटेड के शेयर पर निवेशक टूट पड़े। ट्रेडिंग के दौरान शेयर की कीमत 577 रुपये तक पहुंच गई। यह एक दिन पहले के मुकाबले करीब 7 फीसदी तेजी को दिखाता है। फरवरी में एक कॉन्फ्रेंस कॉल में आईनॉक्स विंड प्रबंधन ने विश्लेषकों को बताया था कि वित्त वर्ष 2024 की अंतिम तिमाही में कई ऑर्डर मिलने से कुल ऑर्डर बुक लगभग 2.6 गीगावॉट तक पहुंच गई है।

दादा ने 4 महीने के पोते को गिफ्ट किए थे शेयर, अब डिविडेंड के रूप में मिलेंगे 4.2 करोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। इन्फोसिस के संस्थापक एनआर नारायण मूर्ति के महज पांच महीने के पोते एकाग्र रोहन मूर्ति की कमाई 4.2 करोड़ रुपये होगी। इस आईटी कंपनी ने 18 अप्रैल को अंतिम डिविडेंड और विशेष लाभांश की घोषणा की थी। पिछले महीने नारायण मूर्ति ने एकाग्र को 240 करोड़ रुपये से अधिक के शेयर गिफ्ट में दिए थे।इससे एकाग्र ने भारत की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी में 15 लाख शेयर या 0.04त्न हिस्सेदारी हासिल की थी। कुल 28 रुपये के लाभांश को ध्यान में रखते हुए एकाग्र 4.2 करोड़ रुपये कमाएगा।

वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही के नतीजों की घोषणा के साथ ही इन्फोसिस के बोर्ड ने 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए 20 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के अंतिम लाभांश और इसके अतिरिक्त 8 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के विशेष लाभांश की सिफारिश का ऐलान किया है। अंतिम डिविडेंड और विशेष लाभांश के भुगतान की रिकॉर्ड डेट 31 मई, 2024 है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

कालेज के सामने विचरण कर रहा था बाघ, शहर में मची दहशत

भोपाल। भोज मुक्त विश्वविद्यालय परिसर में कुछ दिन पहले ही तेंदुआ दिखने के चलते पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है लेकिन अब बाघ दिखने के चलते शहरवासियों के बीच और डर समा गया है। गुरुवार को सुबह 6.30 बजे ग्राम चंदनपुरा स्थित जागरण लेक सिटी यूनिवर्सिटी के गेट के पास बाघ घूमता दिखाई दिया है। वहां कार से घूम रहे नागरिक ने एक वीडियो बनाया है। इस वीडियो में बाघ यूनिवर्सिटी के गेट के पास दिखाई देता है फिर वापस जंगल में चला जाता है।

गैर वानिकी गतिविधियों के कारण हो रहे परेशान राशिद नूर खान ने बताया कि बाघ भारत में चर्चा का विषय बना हुआ है। लेकिन शहर में बाघ मानव के साथ बिना किसी टकराव के विचरण कर रहा है। कुछ रसूखदारों द्वारा खुलेआम नियमों का उल्लंखन किया जा रहा है। ग्राम चंदनपुरा में एमए क्लब चल रहा है। यहां तेज आवाज में डीजे के साथ निजी फार्म पर शादी और पार्टियों का आयोजन होता है। ऐसे आयोजनों से यह जंगल के शिकारी शहर में भोजन की तलाश में भटक रहे हैं। इसके अलावा इस क्षेत्र में कई मैरिज गार्डन भी संचालित हो रहे हैं। जिसकी शिकायत कई बार एनजीटी को की गई है लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। गुरुवार को भी यहां शादी हुई है, जिसके बाद यहां बाघ दिखाई दिया है।

भोपाल प्रदेश की पहली राजधानी है, जिसमें नगर निगम सीमा से सटे क्षेत्र में एक दर्जन से ज्यादा बाघों का भृमण पाया जाता है। कलियासोत डेम से लेकर केरवा डेम के बीच राजस्व वन क्षेत्र, राजस्व क्षेत्र, वन क्षेत्र एवं किसानों का निजी क्षेत्र है। यह क्षेत्र पहाड़ी है। यहां वन्यप्राणियों के प्राकृतिक रहवास भी है। इस क्षेत्र में कलियासोत एवं केरवा डेम के रूप में जल स्त्रोत भी विद्यमान है। क्षेत्र में लेंटाना का कवर एवं मिश्रित प्रजाति के वृक्ष भी प्रचुर मात्रा में है। लगभग 357.813 हेक्टेयर राजस्व वन क्षेत्र वर्ष 2003 में राजस्व विभाग द्वारा वन विभाग को हाईटेक वृक्षारोपण के लिए स्थानांतरित किया गया था।

वृक्षारोपण एवं सुरक्षा के चलते 0.6 घनत्व के जंगल में तब्दील हुआ क्षेत्रवन विभाग ने इस क्षेत्र को पूर्ण रूप से चैनलिंक फैंसिंग कर वृक्षारोपण किया। वृक्षारोपण एवं सुरक्षा से यह क्षेत्र लगभग 0.6 घनत्व के जंगल में तब्दील हो गया है। अब यह क्षेत्र वन्यप्राणी खासतौर से बाघ के लिए आदर्श रहवास का कार्य कर रहा है। इस क्षेत्र में ही बाघ भृमण करते हैं। वास्तव में भोपाल से लगे जंगल में बाघ की उपस्थिति वर्षों से रही है। कलांतर में आबादी बढ़ने के साथ बाघों के प्राकृतिक रहवास में मानव बसाहट एवं शैक्षणिक संस्थाओं का निर्माण हो गया, फलस्वरूप बाघों का भृमण कभी कभार कलियासोत से लगे रिहायसी इलाकों में हुआ है।

इनका कहना है

जिस जगह पर बाघ दिखाई दिया है। वन विभाग के क्षेत्र में आता है। इस क्षेत्र में बाघों का दिखाई देना आम बात है। यहां पर टी-123 के चार शावक भी हैं, जो वहां हमेशा दिखाई देते रहते हैं।

- अलोक पाठक, डीएफओ भोपाल

दवा के बाद अब मंटौक्स टेस्ट बंद, मरीज हो रहे परेशान

ग्वालियर। टीबी रोगियों की आसानी से पहचान करने के लिए की जाने वाली मंटौक्स जांच नहीं हो रही है। एक हजार बिस्तर अस्पताल के पीएसएम विभाग की ओपीडी में मंटौक्स जांच के लिए मरीज पहुंच रहे हैं, लेकिन दवा नहीं होने से बिना जांच मरीजों को लौटाया जा रहा है। जांच दवा की डिमांड के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय को पत्र लिखा गया है, लेकिन दवा मुहैया नहीं कराई जा सकी है। इस मामले को लेकर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा. आरके राजौरिया से बात की गई तो उन्होंने कहा कि अब मंटौक्स टेस्ट जरुरी नहीं। क्योंकि सीबी नेट से टीबी रोगियों की आसानी से पहचान की जा रही है।सीएमएचओ डा. राजौरिया ने कहा कि अब डाक्टर भी इस जांच को नहीं लिख रहे हैं। दरअसल टीबी रोग की जांच के अब अत्याधुनिक जांच की सुविधा उपलब्ध है। बावजूद इसके एक हजार बिस्तर अस्पताल में मंटौक्स जांच के लिए मरीज पहुंच रहे हैं। चार दिन पहले ही एक बच्चे की जांच कराने स्वजन पहुंचे थे। जांच की दवा न होने के कारण उनको वापस लौटना पड़ा था। मंटौक्स जांच यानी स्किन टेस्ट के जरिए व्यक्ति में टीबी रोग की आशंका है या नहीं इसकी पुष्टि की जाती है। इंजेक्शन के जरिए स्किन में दवा डाली जाती है। अगर स्किन पर चकते पड़ जाते हैं तो रिजल्ट पाजिटिव होने की पुष्टि की जाती है। जबकि अधिकारियों का कहना है कि अत्याधुनिक मशीनों से होने वाली जांच अब बेहतर रिजल्ट देने के साथ दो घंटे में ही जांच रिपोर्ट सामने होती है।

दवा के लिए आया बजट, भेजी डिमांडटीबी रोगियों को दवा मुहैया कराने के लिए स्वास्थ्य विभाग को बजट मुहैया करा दिया गया है। बजट आने के बाद दवा की डिमांड भेज दी गई है। दवा न होने के कारण खोजे गए नए टीबी मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था, लेकिन अब जल्द ही उनको दवा मुहैया कराई जाएगी। दवा खत्म होने का मुद्दा नई दुनिया ने उठाया था। इसके बाद ही बजट जारी हुआ है।

मंटौक्स जांच अब जरुरी नहीं है। सीबी नेट जांच से टीबी रोगियों की पहचान करना आसान हो गई है। वहीं दवा के लिए भी बजट मुहैया करा दिया गया है।

- डा. आरके राजौरिया, सीएमएचओ, ग्वालियर

ऐतिहासिक स्मारक संवरेंगे, पर्यटकों को मिलेंगी सुविधाएं

ग्वालियर। केंद्र सरकार की स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के अंतर्गत ग्वालियर में लगभग 70 करोड़ रुपए की राशि से विकास कार्य कराए जाने हैं। इसके पहले चरण में लगभग 17 करोड़ रुपए की लागत से फूलबाग क्षेत्र में विकास कार्य कराए जाएंगे, जिसकी डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार हो चुकी है और आचार संहिता के बाद विकास कार्य शुरू कराने के लिए टेंडर किए जाएंगे।

इसी योजना के दूसरे चरण में ग्वालियर किले को भी शामिल किया गया है और अब इसकी डीपीआर पर भी काम शुरू कराया गया है। इसके अंतर्गत किले पर मौजूद ऐतिहासिक स्मारकों को संवारने के साथ ही पर्यटकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।ग्वालियर दुर्ग पर कई ऐतिहासिक स्मारक मौजूद हैं। इनमें से कुछ भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) और कुछ राज्य पुरातत्व एवं संग्रहालय के अंतर्गत आते हैं। इस योजना के तहत केंद्र सरकार द्वारा बजट उपलब्ध कराया जाता है, जबकि विकास कार्य राज्य के पर्यटन विभाग द्वारा कराए जाएंगे। ऐसे में इन स्मारकों को संवारने की दिशा में भी काम किया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत उरवाई गेट के क्षेत्र को शामिल किया जाएगा। उरवाई गेट से प्रवेश करते समय बाएं हाथ पर पूर्व में नगर निगम ने पार्क तैयार किया था।

यहां और सुंदरीकरण की संभावनाएं देखी जाएंगी। इसके अलावा मानसिंह पैलेस, गूजरी महल, सहस्त्रबाहु मंदिर सहित अन्य स्थानों पर भी पर्यटन सुविधाएं बढ़ाने की दिशा में काम किया जाएगा। जहां-जहां संरक्षित स्मारकों से अलग शासकीय जमीन होगी, वहां-वहां शौचालयों से लेकर कैफेटेरिया सहित अन्य सुविधाएं देने की योजना बनाई गई है। इसके अलावा किले पर पैदल जाने वाले पर्यटकों के लिए ई-व्हीकल की संभावनाएं भी देखी जा रही हैं। इसकी संभावनाएं इसलिए भी ज्यादा हैं, क्योंकि पहले चरण में फूलबाग क्षेत्र में प्रस्तावित कार्यों में विंटेज ई-कार चलाने का प्रविधान किया गया है। चूंकि किले पर दूर-दूर स्मारक हैं, इसलिए यहां भी ई-व्हीकल का प्रविधान किया जाएगा।

मतदान केंद्र के अंदर के फोटो वायरल करना पड़ा भारी, पीठासीन अधिकारी निलंबित

जबलपुर। जबलपुर में जारी लोकसभा चुनाव के प्रथम चरण के मतदान के बीच चुनावी ड्यूटी में तैनात पीठासीन अधिकारी को मतदान केंद्र के अंदर के फोटो शेयर करना भारी पड़ गया। जिसके चलते जिला निर्वाचन अधिकारी ने उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

दरअसल, मतदान केन्द्र क्रमांक 173 पर तैनात पीठासीन अधिकारी रतन कुमार ने मतदान केन्द्र के अंदर के फोटो खिंचवाकर अपने मोबाइल नम्बर से किसी वाट्सएप ग्रुप में पोस्ट किए थे। मामले में अधिकारियों को शिकायत मिलने पर जांच करवाई गई। जिसके बाद सेक्टर अधिकारी हेमंत अमहिया द्वारा मोबाइल फोन जब्त कर जांच की जो शिकायत सही पाई गई।वर्जित है मोबाइल का उपयोग

बता दें कि मतदान केंद्र में मोबाइल फोन का उपयोग वर्जित है। नियम का उल्लंघन करने पर पीठासीन अधिकारी को निलंबित कर मतदान अधिकारी क्रमांक -1 को पीठासीन अधिकारी का दायित्व सौंपा गया है।

शादी के जोड़े में वोट डालने पहुंचे दूल्हा-दुल्हन

नरसिंहपुर। मध्य प्रदेश की 6 सीटों पर लोकसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान जारी है। इसी बीच कई तस्वीरें ऐसी भी सामने आ रही है। जो लोकतंत्र के प्रति सजगता बयां कर रही है। ऐसी ही तस्वीर गोटेगांव से सामने आई है जहां मंडला संसदीय क्षेत्र से पहले चरण के मतदान के दौरान एक दूल्हे ने शादी कार्यक्रम को बीच में छोड़कर अपनी पत्नी पूजा मेहरा को मतदान केंद्र ले जाकर मतदान कराया।दूल्हे योगेश ने बताया कि पूजा की इच्छा के चलते उन्होंने वोटिंग करवाई है। हालांकि उनकी भी यही इच्छा थी कि वह अपनी जीवनसंगिनी के दायित्व को पूरा करने में सहभागी बनें। बालाघाट- विदाई से पहले डाला वोट बालाघाट में भी विदाई के पहले दुल्हन ने जिम्मेदारी निभाते हुए मतदान केंद्र 181 पर पति के साथ पहुंचकर वोट डाला।

इन्दौर जिले में ग्रामीण क्षेत्र में अनुपयोगी सूखे बोरवेल को सुरक्षित बंद करवाने की प्रभावी कार्यवाही

इंदौर। रीवा जिले में हाल ही में अनुपयोगी बोरवेल में मासूम बच्चे के गिरने की घटना को दृष्टिगत रखते हुये कलेक्टर श्री आशीष सिंह द्वारा इंदौर जिले में अनुपयोगी बोरिंग को बंद करवाए जाने के संबंध में दिए गए निर्देशों के परिपालन में प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। जिले में अभी तक अनुपयोगी 31 बोरवेल बंद करवाए गए हैं ।जिला पंचायत इन्दौर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन द्वारा गत दिवस को आयोजित समीक्षा बैठक में जिले की जनपद पंचायतो को क्षेत्र में सूखे बोरवेल की सुरक्षित होने का स्थल सत्यापन करने हेतु निर्देशित किया गया था। निर्देशो के पालन में इन्दौर जिले के ग्रामीण क्षेत्र में कार्यरत सहायक अभियंता एवं उपयंत्रियों के दल द्वारा अपने कार्यक्षेत्र में सूखे बोरवेल का मौका निरीक्षण कर खुले पाये गये बोरवेल बंद करवाने की कार्यवाही करवाई गई।

जनपद पंचायत देपालपुर के उपयंत्री श्री नितीन वर्मा द्वारा ग्राम चिकलोंण्डा में ग्राम में पानी की ठेल के पास स्थित खुले पड़े सूखे बोरवेल को स्वंय की निगरानी में मौके पर ही केप लगाकर बंद करवाया गया। श्री वर्मा द्वारा ग्राम रावद में श्री हरदेव गुर्जर, दिलीप पटेल, जगदीश पटेल एवं सुनील कोठारी चार किसानों के अनुपयोगी बोरवेल के मौका निरीक्षण में चारो बोरवेल सुरक्षित बंद होना पाया गया। इसी प्रकार जनपद पंचायत सांवेर की उपयंत्री सुश्री ऋतु उपाध्याय द्वारा ग्राम पंचायत मांगल्या में मौका निरीक्षण में चार बोरवेल सुरक्षित बंद होना पाया गया। जनपद पंचायत महू के उपयंत्री श्री ललित मालवीय द्वारा ग्राम भगोरा में मनोज महेन्द्र का खुला पड़ा बोरवेल बंद करवाया गया । ग्राम देवगुराडिया में किसान मनोज पिता जगन्नाथ के खेत में स्थित खुले बोरवेल को भी लोहे की केप से सुरक्षित करवाया गया। जनपद पंचायत सांवेर में उपयंत्री सुधीर इन्दवे द्वारा ग्राम बसान्द्रा में श्मशान परिसर में दो बोरवेल बंद करवाने के निर्देश दिये गये। जनपद पंचायत देपालपुर के पंथ बडोदिया में उपयंत्री श्री सत्यप्रकाश बेलवंशी द्वारा स्थल निरीक्षण में सूखा बोरवेल पत्थरो से पेक किया जाना पाया गया। जनपद पंचायत सांवेर के उपयंत्री श्री अखिल चौरे द्वारा ग्राम मण्डोत में खुले बोरवेल को बंद करवाया गया। जनपद इन्दौर के ग्राम नावदापंथ में उपयंत्री श्री सिद्धार्थ जैन द्वारा खुले बोरवेल को पत्थर मिट्टी डलवाकर बंद करवाया गया। एवं ग्राम नरलाय किसान बंसी के बोरवेल पर सीमेंट कांक्रीट ब्लाक बनाने के निर्देश उपयंत्री ने दिये। ग्राम नरलाय के ही किसान दशरथ अंतर सिंह के बोरवेल को भी बद करवाया गया।

कर्मचारियों को निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़ी छोटी-छोटी जानकारी से अवगत कराया गया

इंदौर। लोकसभा निर्वाचन-2024 के संबंध में आज स्थानीय होल्कर विज्ञान महाविद्यालय में निर्वाचन सबंधी कार्य में लगे कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शासकीय कर्मचारी तथा अधिकारी उपस्थित थे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में कर्मचारी-अधिकारियों में ईव्हीएम मशीन के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गयी। साथ ही प्रशिक्षणार्थी अधिकारियों-कर्मचारियों को इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन के संचालन का अभ्यास भी कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित मास्टर ट्रेनर्स से प्रशिक्षण में आये अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा निर्वाचन संबंधी सवाल किये गये, जिनका प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित मास्टर ट्रेनर्स द्वारा संतुष्टिपूर्ण जबाव दिया तथा उनकी निर्वाचन को लेकर जिज्ञासाओं का समाधान किया।

अधिकारी-कर्मचारियों को निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़ी छोटी-छोटी जानकारी से अवगत रहने का महत्व समझाया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में निर्वाचन संबंधी गूगल लिंक के माध्यम से ऑनलाईन प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी । इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा उत्साह से भाग लिया गया।

प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित अधिकारियों-कर्मचारियों को निर्वाचन संबंधी दायित्वों से अवगत कराया गया। मतदान प्रक्रिया को बिना किसी दवाब, प्रभाव के पूर्ण निष्ठा,निष्पक्षता, ईमानदारी,जिम्मेदारी के साथ भयमुक्त होकर सम्पन्न कराने की समझाईश दी गयी। अधिकारियों-कर्मचारियों से अपेक्षा की गयी कि वे निर्वाचन संबंधी कार्य पूर्ण निष्ठा से निभाये।

मतदान समाप्ति से 48 घंटे पहले तक टेलीविजन या अन्य संचार माध्यमों से किसी भी चुनावी मामले का प्रदर्शन प्रतिबंधित रहेगा

भारत निर्वाचन आयोग ने मीडिया कव्हरेज के लिए जारी किये दिशा-निर्देश

इंदौर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा निर्वाचन-2024 के लिये मीडिया कव्हरेज के परिप्रेक्ष्य में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं। आयोग ने कहा है कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126(1)(बी) के अनुसार टेलीविजन, सिनेमैटोग्राफ या इसी तरह के अन्य संचार माध्यमों से किसी भी चुनावी मामले (विज्ञापन या प्रचार आदि) का प्रदर्शन करने पर प्रतिबंध रहेगा। यह प्रतिबंध किसी भी मतदान क्षेत्र में मतदान समाप्ति के 48 घंटे पहले तक की अवधि के लिए प्रभावी रहेगा। आयोग ने स्पष्ट किया है कि कोई भी व्यक्ति सिनेमैटोग्राफ, टेलीविजन या अन्य समान उपकरण के माध्यम से किसी भी चुनावी मामले को जनता के समक्ष प्रदर्शित नहीं करेगा। इन प्रावधानों का उल्लंघन करने पर दोषी व्यक्ति को दो साल तक की कैद या जुर्माना या दोनों से दंडित किया जा सकता है। आयोग के अनुसार चुनाव के परिणाम को प्रभावित करने या ऐसे इरादे या गणना करने जैसा कोई भी प्रयास चुनावी मामला माना जायेगा।

टीवी चैनलों में पैनल चर्चा/बहस और अन्य समाचार और समसामयिक कार्यक्रमों के प्रसारण में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126 के प्रावधानों के उल्लंघन के आरोप लगते हैं। इस संबंध में आयोग ने स्पष्ट किया है कि टीवी/रेडियो चैनलों और केबल नेटवर्क को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि धारा 126 में उल्लेखित 48 घंटों की अवधि के दौरान उनके द्वारा प्रसारित/प्रदर्शित कार्यक्रमों के कंटेन्ट में दृश्य सहित ऐसी कोई भी सामग्री शामिल नहीं है। पैनलिस्टों/प्रतिभागियों द्वारा अपील करने पर उन्हें किसी पार्टी विशेष या उम्मीदवार की संभावना को बढ़ावा देने या चुनाव के परिणाम को प्रभावित करने के रूप में माना जा सकता है। इसमें जनमत सर्वेक्षण और मानक बहस, विश्लेषण, दृश्य और ध्वनि-बाइट्स का प्रदर्शन शामिल होगा। इसमें टीवी, केबल नेटवर्क, रेडियो, सिनेमा हॉल में किसी भी चुनावी मामले पर राजनीतिक विज्ञापन, किसी भी मतदान में थोक एसएमएस/वॉयस संदेशों, ऑडियो विजुअल डिस्प्ले का उपयोग आदि भी शामिल है।

आयोग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर राजनीतिक विज्ञापनों के लिये आयोग के पूर्व आदेशानुसार राज्य/जिला स्तर पर गठित समितियों द्वारा पूर्व-प्रमाणन की आवश्यकता होगी। इस संदर्भ में आयोग द्वारा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का एनबीएसए द्वारा 3 मार्च, 2014 को जारी चुनावी प्रसारण के लिए दिशा-निर्देश की ओर विशेष रूप से ध्यान आकर्षित किया गया है।

इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने आम चुनावों के दौरान चुनावी प्रक्रिया की अखंडता बनाए रखने के लिए अपने प्लेटफार्मों के स्वतंत्र, निष्पक्ष और नैतिक उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए सभी भाग लेने वाले सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के लिए एक स्वैच्छिक आचार संहिता भी विकसित की है। सभी चुनावों के दौरान इस स्वैच्छिक आचार संहिता का पालन किया जाना चाहिए। यह संहिता वर्तमान लोकसभा चुनावों में भी लागू है। इस संबंध में आयोग द्वारा सभी संबंधित सोशल मीडिया प्लेटफार्मों का 20 मार्च, 2019 की स्वैच्छिक आचार संहिता की ओर ध्यान आकर्षित किया गया है।

आयोग द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया है कि कोई भी राजनीतिक दल या उम्मीदवार या कोई अन्य संगठन या व्यक्ति मतदान के दिन और मतदान के दिन से एक दिन पहले प्रिंट मीडिया में कोई विज्ञापन प्रकाशित नहीं करेगा, बशर्ते कि राजनीतिक विज्ञापनों की सामग्री पूर्व-प्रमाणित हो। उनके द्वारा राज्य/जिला स्तर पर एमसीएमसी समिति से अनुमोदन लेना होगा। आवेदकों को ऐसे विज्ञापनों के प्रकाशन की प्रस्तावित तिथि से दो दिन पहले राज्य/जिला स्तरीय एमसीएमसी कमेटी को आवेदन करना होगा।

आयोग द्वारा यह भी कहा गया है कि पाठकों को गुमराह करने के लिए समाचार सुर्खियों के रूप में राजनीतिक विज्ञापन विशेष रूप से समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किए जाएंगे। किसी पार्टी विशेष की जीत की भविष्यवाणी करने वाले विज्ञापनों पर स्पष्ट प्रतिबंध रहेगा और चुनाव परिणामों से संबंधित किसी भी प्रकार की अटकलों से संबंधित मैटर से भी बचना चाहिए। प्रेस काउंसिल के पत्रकारों का आचरण के मानदंडों के भाग (ए) पैरा 2 पर भी विशेष ध्यान आकर्षित किया गया है। इसमें यह कहा गया है कि एक संपादक समाचार पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों सहित अन्य सभी मामलों के लिए जिम्मेदार होगा।

दुकानों में प्रशासन द्वारा लगाई गई सील को बगैर सक्षम आदेश के खोले जाने पर दो व्यक्तियों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज

इंदौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशानुसार इंदौर जिले में गत बुधवार को जिला प्रशासन की टीम द्वारा फटाखा दुकानों एवं अन्य दुकानों द्वारा अग्नि सुरक्षा प्रबंध नहीं करने पर इन्हें सील करने की कार्यवाही की गई थी। एसडीएम श्रीमती कल्याणी पांडे ने बताया कि प्रशासन की टीम द्वारा सील की गई दुकानों का आज पुनः निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में पाया गया कि घनश्यामदास पिता नानकराम एवं जय प्रकाश पिता सुरेश सुख्यानी की फटाका दुकानों की प्रशासन द्वारा लगाई गई सील को बगैर सक्षम आदेश के खोला गया है, जो विस्फोटक अधिनियम के विरुद्ध एवं शासकीय कार्य में बाधा के रूप में माना जाकर उक्त दोनों के विरुद्ध प्रशासन द्वारा थाना तेजाजी नगर में एफआईआर दर्ज कराई गई है।

पहले दिन दो उम्मीदवारों ने नाम निर्देशन पत्र दाखिल किये

इंदौर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा तय निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार इंदौर संसदीय क्षेत्र के लिये आज कलेक्टर एवं रिटर्निंग ऑफिसर श्री आशीष सिंह ने अधिसूचना जारी की। आज से नाम निर्देशन पत्र दाखिल करने का सिलसिला भी शुरू हो गया है। पहले दिन आज दो उम्मीदवारों द्वारा नाम निर्देशन पत्र दाखिल किये गये।

आज श्री परमानंद तोलानी (निर्दलीय) तथा श्री अजीत सिंह पिता निहाल सिंह सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ? इंडिया (कम्यूनिस्ट) द्वारा नाम निर्देशन पत्र दाखिल किये गये। नाम निर्देशन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 25 अप्रैल (गुरूवार) रहेगी। प्रातः 11 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक नाम निर्देशन पत्र कलेक्टर कार्यालय में बनाए गए रिटर्निंग अधिकारी के कक्ष में प्रस्तुत किए जा सकेंगे। रविवार 21 अप्रैल को सार्वजनिक अवकाश होने से नाम निर्देशन पत्र जमा नहीं होंगे। प्राप्त नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा (जांच) का कार्य 26 अप्रैल 2024 (शुक्रवार) को होगा। अभ्यर्थी 29 अप्रैल 2024 (सोमवार) तक अपना नाम वापस ले सकते हैं। जिले में 13 मई (सोमवार) को मतदान होगा और 4 जून (मंगलवार) को मतगणना होगी।

आबकारी विभाग द्वारा लगातार की जा रही है अवैध शराब परिवहन करने वालों पर कार्यवाही

इंदौर । जिले में लोकसभा निर्वाचन के मद्देनजर मदिरा के अवैध क्रय-विक्रय, परिवहन, भण्डारण की रोकथाम के लिये कलेक्टर श्री आशीष सिंह के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग के दलों द्वारा लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है।

सहायक आबकारी आयुक्त श्री मनीष खरे के निर्देशन में आबकारी टीम द्वारा मुखबिर की सूचना के आधार पर राऊ चौराहा के पास मारुति ह्य×4 कार क्र.GJ-05- JA-7747 को रोककर तलाशी लेने पर प्रथम दृष्टया कार खाली दिखी। परंतु सटीक सूचना होने से आबकारी अधिकारीयों द्वारा जब सीट एवं बंफर को खोलकर छानबीन की गई तो कार में बने गुप्त चेंबर में बकार्डी लेमन रम की 48 बोतलें, ब्लैक एन्ड व्हाइट स्काच के 100 हिब्स पैक पाव, सिमरन आफ वोडका के 100 हिब्स पैक पाव,अमेरिकन प्राईड व्हीस्की के 200 हिब्स पैक पेट पाव कुल 12 पेटी हाईरेन्ज विदेशी मदिरा बरामद हुई। मौके से गुजरात के आदतन तस्कर भाटूभाई शिन्डाबदद्रा ह्य/श मेरामन भाई निवासी 205, राधिका अपार्टमेंट, जूनागढ, गुजरात को गिरिफ्तार कर धारा 34(1) ,34(2) आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर शराब तस्कर को जेल भेजा। प्रकरण की विवेचना आबकारी उप निरीक्षक वृत मालवा मिल ब मनोहर खरे द्वारा की जा रही है। जप्त वाहन व मदिरा का अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 7 लाख 25 हजार रूपये है।

आबकारी विभाग द्वारा लोकसभा चुनाव की आचार संहिता के मद्देनजर लगातार रात्रि गश्त, बारों पर सघन निगरानी, रोड चेकिंग कर अवैध मदिरा के विरुद्ध तथा नियमो का उल्लंघन करने वालों पर लगातार कार्यवाही जारी है।

मृत्युंजय महाकाल त्राहिमाम शरणागतः ,
जन्म मृत्यु जरा व्याधि पीड़ितो कर्म बंधनाह
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर प्रभु सभी को आरोग्यता प्रदान करें।

ई-रिक्शा चालकों को आवंटित होंगे जोन, तीन माह में जोन बदले जाएंगे

उज्जैन। सुगम और सुचारू ट्रैफिक व्यवस्था के लिए उज्जैन नगर अंतर्गत लगभग 5280 ई रिक्शा चालकों को 6 जोन आवंटित किए जाएंगे, जिसमें शहर के 20 प्रमुख मार्ग शामिल होंगे। ई रिक्शा चालकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 3 मार्गो के लिए उनकी प्राथमिकताएं आमंत्रित की जाएंगी। जिसमें ई रिक्शा चालक अपने वाहन चलाने के इच्छुक होंगे। इसके बाद लॉटरी सिस्टम के आधार पर उन्हें जोन अलॉट होंगे। निर्धारित जोन के अनुसार ई रिक्शा वाहनों के संचालन के लिए जोनवाइस अलग अलग कलर कोडिंग की जाएगी। हर तीन माह में ई रिक्शा चालकों के जोन बदले जाएंगे ताकि सभी को समान अवसर प्राप्त हो सकें। ई रिक्शा संचालन की नई व्यवस्था 1 मई से लागू की जायेगी।

यह निर्णय शुक्रवार को कलेक्टर नीरज कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में लिया गया। बैठक में पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा , सीईओ जिला पंचायत मृणाल मीना, निगम आयुक्त आशीष पाठक, एडीएम अनुकूल जैन, सीईओ यूडीए श्री संदीप सोनी, आरटीओ संतोष मालवीय सहित समिति सदस्य उपस्थित रहें।

ई रिक्शा वाहनों पर वाहन चालक की जानकारी चस्पा रहें

कलेक्टर श्री सिंह ने ई रिक्शा संचालन की नई व्यवस्था के संबंध में निर्देशित किया कि ई रिक्शा चालकों का एसोसिएशन बनाया जाए। ताकि ई रिक्शा चालकों के रजिस्ट्रेशन , आईडी कार्ड, रेट लिस्ट , इत्यादि संबंधित मुद्दों पर आवश्यक कार्यवाही की जा सके। उन्होंने ऑटो वाहनों के भी व्यवस्थित संचालन के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक श्री शर्मा ने निर्देश दिए कि प्रत्येक ई रिक्शा वाहनों पर वाहन चालक का नाम, नंबर और फोटो की जानकारी स्पष्ट दिखाई दें। ताकि यात्रियों को अपने समान खो जाने इत्यादि समस्या की सूचना देने में कोई परेशानी न हो।

सभी नए होम स्टे का रजिस्ट्रेशन कराया जाएं

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि उज्जैन शहर में काफी संख्या में नए होम स्टे बन गए हैं। नगर निगम के द्वारा कैंप लगाकर सभी नए होम स्टे का रजिस्ट्रेशन कराया जाए। उन्होंने जिले में लागू सराय अधिनियम का भी प्रभावी क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। जिसके तहत होटल संचालकों द्वारा अपने यहां आने वाले आगुंतकों की जानकारी व्यवस्थित रूप से मेंटेन रखी जाए। साथ ही होटल के परिसर में सीसीटीवी कैमरे की भी उपलब्धता रहे। होटल चालकों द्वारा रिसेप्शन पर होटल की रेट लिस्ट भी डिस्प्ले करने के साथ महाकाल मंदिर के भस्म आरती सहित अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी भी डिस्प्ले की जाए। प्रमुख मंदिरों और स्थानों तक पहुंचने के लिए दूरी के हिसाब से वाहन किराए की दर भी चस्पा कराई जाए।

पक्षियों के लिए जलपात्र का वितरण प्रज्ञा कला मंच द्वारा किया गया

उज्जैन।। भगवान महावीर की जन्म जयंती पर देश भर में कई कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं कई दिनों पूर्व से यह कार्यक्रम देश भर में प्रारंभ हो जाते हैं उसी के अंतर्गत उज्जैन शहर एवं तपोभूमि में भी कई कार्यक्रम आयोजित होते हैं। महावीर जयंती एवं आचार्य श्री प्रज्ञा सागर जी महाराज जी के 35 वे दीक्षा दिवस के पूर्व प्रज्ञा कला मंच द्वारा आचार्य छत्तीसी विधान आचार्यश्री प्रज्ञा सागर जी के सानिध्य में महावीर तपोभूमि पर किया गया। भगवान महावीर स्वामी की शिक्षा जियो और जीने दो सिद्धांतो में जीव दया का अनुसरण करते हुए आचार्य श्री प्रज्ञा सागर जी की प्रेरणा से प्रज्ञा कला मंच द्वारा भीषण गर्मी में पक्षियों के पीने के पानी के लिए जल पात्र सकोरो का वितरण श्रीमती अनिता झांझरी के सहयोग से किया गया। प्रज्ञा कला मंच द्वारा जलपात्रो का वितरण पक्षियों की प्यास बुझाने हेतु किया गया। इस अवसर पर प्रज्ञा कला मंच अध्यक्ष निशी जैन, सचिव रश्मि सेठी, सारिका जैन,चंदा बिलाला,ऋतु जैन,सपना जैन,मोनिका सेठी,अर्चना सिंघाई,ममता जैन,लता जैन,पुष्पा सेठी,पूनम गोहिल,कांता जैन,सरोज सेठी,अंजू जैन,अनिता झांझरी और पूरा प्रज्ञा कला मंच उपस्थित था।

समाज सचिव व मीडिया प्रभारी सचिन कासलीवाल ने बताया कि महावीर जयंती एवं आचार्य श्री प्रज्ञा सागर जी महाराज का दीक्षा दिवस के पूर्व विधान एवं पक्षियों के लिए जलपात्र का वितरण प्रज्ञा कला मंच द्वारा किया गया महावीर जयंती की पूर्व संध्या पर आज शनिवार को शाम 7:00 बजे से टावर चौक एक शाम भगवान महावीर के नाम का भव्य कार्यक्रम आयोजित होंगे जिसमें विशेष रूप से धर्म पर आधारित प्रश्नोत्तरी व भजन संध्या,1008 दीपकों से भगवान महावीर की भव्य आरती होगी इसके पूर्व लक्ष्मी नगर महावीर दिगंबर जैन मंदिर से शोभा यात्रा के रूप में टावर पर पहुंचेगी जहां उनका सम्मान किया जाए।

रीजन कॉन्फ्रेंस में लायंस क्लब गोल्ड 14 अवॉर्ड से सम्मानित

उज्जैन। लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक 3233 जी 2 के रीजन ब्लू के रीजन चेयरपर्सन लायन अजय गरवाल की नागदा में आयोजित रीजन कॉन्फ्रेंस डॉ. थावरचंद गहलोत राज्यपाल, कर्नाटक एवं पूर्व इंटरनेशनल डायरेक्टर एमजेएफ डॉ राजू मनवानी के आतिथ्य में आयोजित की गई। जिसमें रीजन कॉन्फ्रेंस में लायंस क्लब उज्जैन गोल्ड को रीजन में सर्वाधिक 14 अवॉर्ड प्राप्त हुए। क्लब के चार्टर अध्यक्ष लायन संजय सक्सेना को लायन ऑफ द रीजन, गोल्ड क्लब को रीजन का सर्वश्रेष्ठ क्लब, लायन आर एम शुक्ला को सर्वश्रेष्ठ झोन चेयरपर्सन अवॉर्ड आदि।

आज संकुल में गूंजेंगे 90 के दशक के सुपर हिट तराने

उज्जैन। स्वरांजली द्वारा शनिवार 20 अप्रैल की शाम 7 बजे सूर्यनारायण व्यास संकुल में 90 के दशक के सुपरहिट गीतों की सुरमयी संध्या का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम की परिकल्पना और निर्देशन पं. राजेश जोशी का है। संयोजक डॉ. परेश राय हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता उमेश भट वरिष्ठ संगीतज्ञ करेंगे। मुख्य अतिथि आनंद बांगड उद्योगपति होंगे। सूर्यकांत बुरहानपुरकर को कलासम्मान से सम्मानित किया जायेगा। कार्यक्रम के सूत्रधार नितिन पोल होंगे और संचालन वर्षा कमलाकर तथा मंगेश जोशी करेंगे। इस अवसर पर आर डी बर्मन, इस्माइल दरबार, अनू मलिक, जतिन-ललित, नदीम-श्रवण के सुमधुर और बेहतरीन नगमें प्रस्तुत किये जायेंगे। जिन्हें आवाज देंगे राधा मेहता, राजेश जोशी, डा. परेश राय, नंदिता राय, भालचंद्र कुलकर्णी, भारती कुलकर्णी, लखन जागीरदार, बीएम खंडेलवाल, दीपक माकोड़े, ममता शर्मा, वृषाली कुलकर्णी, अर्पिता कमलाकर, माधुरी मेहता, विकास सहस्त्रबुद्धे, सुप्रिया बोथरा, अमल कुमार बिडवई, प्रेरणा सोहोनी, राजेश सोहोनी, देवेंद्र दुबे, अनुपमा दुबे। इस आयोजन में विशेष सहयोग अनिता जोशी और माधवी जोशी का है।

कलेक्टर द्वारा सीबीएसई एवं आईसीएसई स्कूलों पर 2 लाख की पेनल्टी के आदेश के खिलाफ कोर्ट जाएंगे

उज्जैन। उज्जैन के अधिकतर सीबीएसई एवं आईसीएसई स्कूलों को स्कूल किताबें व यूनिफार्म के संदर्भ में 2 लाख रूपये की पेनल्टी 7 दिवस के अंदर भरने के कलेक्टर के आदेश के खिलाफ सीबीएसई एवं आईसीएसई स्कूल समूह द्वारा कोर्ट में अपील की जाएगी। साथ ही सभी मिलकर कलेक्टर को ज्ञापन भी सौपेंगे।

उक्त निर्णय 19 अप्रैल को प्रातः 10:30 बजे उज्जैन के सभी सीबीएसई एवं आईसीएसई स्कूल के एसोसिएशन उज्जैन एज्युकेटर्स के तत्वावधान में हुई आवश्यक बैठक में लिया गया। बैठक में अध्यक्ष ज्ञान सागर के महेश थायरानी व सचिव ऑक्सफोर्ड जूनियर कॉलेज के दिलीप धनवानी ने बताया कि उज्जैन के अधिकतर सीबीएसई एवं आईसीएसई स्कूलों को स्कूल किताबें व यूनिफार्म के संदर्भ में रुपए 2 लाख की पेनल्टी 7 दिवस के अंदर भरने का आदेश किया गया है। उपरोक्त विषय पर बैठक रखी गई, जिसमें जिले के सभी स्कूल के मैनेजमेंट मेंबर, प्राचार्य सम्मिलित हुए। जिसमें प्रमुख रूप से ज्ञान सागर एकेडमी, ऑक्सफोर्ड जूनियर कॉलेज, स्टैनफोर्ड इंटरनेशनल स्कूल, आराध्या इंटरनेशनल स्कूल, शाश्वत इंटरनेशनल स्कूल, इंपीरियल इंटरनेशनल स्कूल, रॉकफोर्ड एकेडमी, अक्षत इंटरनेशनल स्कूल, क्रिस्टु ज्योति कॉन्वेंट स्कूल, सेंट मैरी कॉन्वेंट स्कूल, निर्मला कॉन्वेंट स्कूल, जॉली मेमोरियल मिशन स्कूल, द युगांतर इंटरनेशनल स्कूल, सेंट पॉल कॉन्वेंट स्कूल, न्यू ऑक्सफोर्ड जूनियर कॉलेज, सेंट मार्टिन स्कूल, केन इंटरनेशनल स्कूल, बोसोन इंटरनेशनल स्कूल, आर. के. बंसल स्कूल यह सभी स्कूल उपस्थित हुए और सभी ने एक मत होकर यह निर्णय लिया कि कलेक्टर के इस आदेश के खिलाफ कोर्ट में अपील की जाएगी एवं सभी मिलकर ज्ञापन पत्र कलेक्टर को भी प्रस्तुत करेंगे। बैठक में डॉ. कात्यायन मिश्रा, डॉ. सुनील खत्री, आनंद पण्डया, सिस्टर मर्लिन, सिस्टर रॉबिसेन, डॉ. सिस्टर कृपा, फादर थॉमस मैथ्यू, रैनी चाकू, मिथलेश जाट, नवीन त्रिवेदी, सुनील जोशी, इंदर सिंह, विवेक मंगलानी, फादर शायज़ो, एम.ए. जॉर्ज, योगेश पाटीदार,यशवंत जैन, डॉ. गुलरेज़ शेख उपस्थित रहे।

बालिकाओं के सर्वांगीण विकास के लिए दिया योग प्रशिक्षण

उज्जैन। बालिकाओं के सर्वांगीण विकास के लिए बालिकाओं को योग प्रशिक्षण दिया गया। विक्रम विश्वविद्यालय के एम.ए. योग के विद्यार्थियों रिंकी कौशल, उर्मि कड़ोतिया, मीनाक्षी चौहान ने बालिका गृह लालपुर में 10 दिवसीय योग प्रशिक्षण का आयोजन किया, जिसका समापन 19 अप्रैल को किया गया। इसमें बालिकाओं ने योगाभ्यास के माध्यम से अपनी जीवन शैली में बदलाव करने के लिए प्रथम चरण उठाकर जीवन में निरंतर योग का अभ्यास करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि एस.ए. सिद्दीकी जिला बाल संरक्षक अधिकारी जिला उज्जैन, मुख्य अतिथि आभा शर्मा एवं अधीक्षक मीना मुंगे एवं शोभना चौहान उपस्थित रहे। कार्यक्रम की सफलता में डॉक्टर सत्येंद्र कुमार मिश्रा एच.ओ.डी. विभाग अध्यक्ष एवं योगाचार्य डॉ. बिंदु सिंह पवार का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन रिंकी कौशल ने किया। आभार उर्मि कड़ोतिया ने माना।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com